mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-172 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
24 जून 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

ट्रोल्स को आरजे ...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

बिलावल ने इजराइली हमलों की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने सोमवार को नेशनल असेंबली सत्र के दौरान भारत पर निशाना साधा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की। पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक बिलावल ने कहा कि जिस तरह भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया था, उसी तरह इजराइल ने ईरान पर अटैक किया है। उन्होंने भारत के साथ 7 से 10 मई तक हुए सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान की जीत का दावा किया। दरअसल, भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 6-7 मई को हवाई हमला किया था। इसके

अलावा बिलावल ने भारत के सिंधु जल संधि को निलंबित करने को अवैध करार दिया और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया। बिलावल ने नदियों का पानी रोकने या बांध बनाने की कोशिश करने पर भारत को जंग की चेतावनी दी। बिलावल ने कहा, ÷हमारी वायुसेना ने पहले भारत को हराया है और जरूरत पड़ी तो फिर हराएगी। हम अपने देश के लिए सभी छह नदियों के पानी को सुरक्षित रखेंगे।÷ बिलावल ने दावा किया कि पाकिस्तान के ऑपरेशन बुनियान-उम-मारसूस में भारतीय वायुसेना के 6 लड़ाकू विमान गिराए गए। इसमें तीन राफेल और दर्जनों ड्रोन शामिल थे। पाकिस्तान में चिनाब नदी का फ्लो 92त्न तक घट चुका है। 29 मई को वाटर फ्लो 98 हजार 200 क्यूसेक था। अब यह घटकर सिर्फ 7200 क्यूसेक रह गया है। पाकिस्तान में चिनाब नदी का फ्लो 92त्न तक घट चुका है। 29 मई को वाटर फ्लो 98 हजार 200 क्यूसेक था।

भारत में सस्ते दामों पर मक्का-सोयाबीन बेचने पर अड़ा अमेरिका

अमेरिका (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच होने वाली ट्रेड डील, कृषि उत्पादों पर इम्पोर्ट ड्यूटी के चलते बीच में अटक गई है। ट्रेड डील के लिए अमेरिका अपने जेनेटिकली मॉडिफाइड (त्नरू) फूड जैसे मक्का और सोयाबीन पर इम्पोर्ट ड्यूटी घटाने की मांग कर रहा है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका चाहता है कि ये प्रोडक्ट भारत में सस्ते बिकें। वहीं

भारत सरकार किसानों को नुकसान से बचाने के लिए इम्पोर्ट ड्यूटी नहीं घटाना चाहती। भारतीय अधिकारियों का मानना है कि अगर अमेरिका के सस्ते त्नरूफूड भारत में आ जाएंगे, तो भारतीय किसानों की फसलें बिकना मुश्किल हो जाएगी।

ऐसे में डील पर असमंजस बना हुआ है। 9 जुलाई की डेडलाइन से पहले इसका हल निकलना मुश्किल लग रहा है। यहां सवाल जवाब में जानें ट्रेड डील नहीं होने पर भारत को क्या नुकसान होगा... जवाबञ् ये भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता है, जिसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के सामान पर इम्पोर्ट ड्यूटी (आयात शुल्क) कम करके व्यापार बढ़ाना चाहते हैं। भारत चाहता है कि उसके टेक्सटाइल, चमड़ा, दवाइयां, और कुछ इंजीनियरिंग सामान पर अमेरिका में जीरो टैक्स लगे, जबकि अमेरिका अपने कृषि और औद्योगिक उत्पादों के लिए भारत में बाजार चाहता है।

एमपी के 20 जिलों में भारी बारिश, शिवपुरी में बाढ़ जैसे हालात

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। सोमवार को 20 जिलों में बारिश हुई। शिवपुरी में सबसे ज्यादा 2 इंच पानी गिरा। इसके अलावा नौगांव (छतरपुर) में सवा इंच, नरसिंहपुर और खरगोन में पौन इंच पानी गिरा है। भोपाल, ग्वालियर, नर्मदापुरम, दमोह, जबलपुर, खजुराहो, मंडला, सागर, सतना, टीकमगढ़, बालाघाट, बड़वानी, गुना, रायसेन, श्योपुर, अशोकनगर, टीकमगढ़, मऊगंज में रुक-रुककर सभी तेज तो कभी हल्की बारिश का दौर जारी रहा। साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और ट्रफ के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन तक बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए उज्जैन में रेड, इंदौर-देवास में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस सीजन में पहली बार ऐसा है कि उज्जैन, शाजापुर, आगर-मालवा और राजगढ़ में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है।

चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव

गुजरात के विसावदर, पंजाब के लुधियाना में आप की जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम घोषित हो गए हैं। गुजरात की कडी सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजेंद्र चावड़ा ने कांग्रेस के रमेश चावड़ा को हराया। विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी (आप) के गोपाल इटालिया विजयी रहे, जबकि भाजपा के कीर्ति पटेल दूसरे स्थान पर रहे।केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के कांग्रेस उम्मीदवार आर्यदन शौकत ने जीत हासिल की। उन्होंने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के एम. स्वराज को पराजित किया। पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट आप के संजीव अरोड़ा ने जीती, जहां कांग्रेस के भारत भूषण आसु दूसरे स्थान पर रहे।

पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अलिफा अहमद ने भाजपा के आशीष घोष को हराकर जीत दर्ज की। इन सभी सीटों पर 19 जून को मतदान हुआ था।

कालीगंज सीट की मतगणना के दौरान

कृष्णानगर थाना क्षेत्र के बाराचंदगर में विस्फोट हुआ, जिसमें 9 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बच्ची की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि पुलिस दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी।

लुधियाना से संजीव अरोड़ा की जीत के बाद वे राज्यसभा सदस्यता से इस्तीफा देंगे। उनकी रिक्त सीट पर अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा जाने की चर्चा थी, लेकिन दिल्ली में प्रेस सम्मेलन में केजरीवाल ने स्पष्ट किया कि राज्यसभा के लिए उम्मीदवार का चयन आप की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) करेगी, और वे स्वयं राज्यसभा नहीं जाएंगे।

भोपाल में छात्राओं से रेप-ब्लैकमेलिंग में छठा आरोपी अरेस्ट

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के कॉलेज छात्राओं से रेप और ब्लैकमेलिंग मामले में फरार आरोपी अबरार को पुलिस ने इटारसी से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि अबरार को 20 जून को

साद उर्फ शम्स उद्दीन अबरार नबील

इटारसी के पास एक होटल से पकड़ गया, जिसके बाद उसे 21 जून को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस पूछताछ में अबरार ने बताया था कि फरहान मेरे रूम पर लड़कियों को लेकर आया करता था अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-1 रश्मि अग्रवाल दुबे ने बताया कि अबरार लंबे समय से फरार था और पश्चिम बंगाल के एक शहर में रहकर एक निजी कॉलेज से पढ़ाई कर रहा था। 27 अप्रैल को भोपाल पुलिस की टीम जब उसके कॉलेज हॉस्टल में दबिश देने पहुंची थी, उससे पहले ही उसे भनक लग गई और वह वहां से फरार हो गया था।

युवती से छेड़छाड़, नशे में थे आरोपी, गालियां दीं, गलत ढंग से छूआ

पुलिस ने एक को गिरफ्तार किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। अनेकेल शहर में रविवार शाम एक 25 वर्षीय युवती के साथ सड़क पर छेड़छाड़ की घटना हुई। युवती दुकान से सामान लेने जा रही थी, तभी उसने कुछ युवकों को आपस में झगड़ते देखा।

पास से गुजरने पर एक युवक ने छेड़छाड़ शुरू कर दी और अन्य युवक भी साथ आ गए। विरोध करने पर युवती को गालियां दीं और गलत ढंग से छूने की कोशिश की।

घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया

घटना शाम करीब 5 बजे माइलसंद्रा रोड के पास येल्लम्मा लेआउट में हुई। सीसीटीवी में दिखा कि युवती बैग लेकर घर से निकली थी। नशे में धुत युवकों ने उसके पास आकर अभद्र और अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया और शारीरिक हमला किया। आत्मरक्षा में युवती ने एक आरोपी को मारा।

जिम प्रशिक्षक ने आरोपी को पीटा

युवती ने अपने जिम प्रशिक्षक को घटना बताई।

प्रशिक्षक मौके पर पहुंचा, युवती को बचाया और एक आरोपी की पिटाई की। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की शिकायत पर युवती और जिम प्रशिक्षक के खिलाफ मारपीट का मामला भी दर्ज किया गया।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पर एफआईआर

रोड शो में उनकी कार ने व्यक्ति को कुचला, वीडियो सामने आने पर कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ टक्कर मारकर भागने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। गुंटूर जिले के पुलिस अधीक्षक एस. सतीश कुमार ने रविवार देर रात प्रेस सम्मेलन में यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 18 जून को रोड शो के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री की कार ने 53 वर्षीय व्यक्ति को कुचल दिया था। अस्पताल ले जाते समय उनकी मृत्यु हो गई। मृतक का नाम चीली सिंघैया था, जो जगन की पार्टी वाईएसआरसीपी के कार्यकर्ता थे। हादसे का वीडियो सामने आने के बाद कार्रवाई की गई।

घटना 18 जून की है, जब जगन पालनाडु जिले के रेंटापल्ला गांव में एक पार्टी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रहे थे। इस कार्यकर्ता ने पिछले साल कथित पुलिस प्रताड़ना के कारण आत्महत्या कर ली थी। जगन उनके समर्थन में रोड शो कर रहे थे। काफिला एतुकुरु बाइपास से गुजर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। पुलिस अधीक्षक

सतीश कुमार ने 18 जून की शाम प्रेस सम्मेलन में कहा था कि सिंघैया काफिले पर फूल फेंकते समय गिर गए और गाड़ी की चपेट में आ गए। गाड़ियां बिना रुके आगे बढ़ गईं। राजमार्ग गश्ती पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित किया गया। शुरुआत में पुलिस ने दावा किया था कि हादसा जगन की कार से नहीं हुआ, लेकिन वीडियो साक्ष्य सामने आने के बाद कार्रवाई हुई।

सांसद चंद्रशेखर के खिलाफ यौन उत्पीड़न का केस दर्ज

स्विट्जरलैंड से छात्रा रोहिणी बोली- लड़ाई शुरू, सच सामने आकर रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सांसद चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज हुई है। आयोग ने पीएचडी स्कॉलर डॉक्टर रोहिणी घावरी की शिकायत पर सोमवार को मामला दर्ज किया। इसके बाद रोहिणी ने कहा, कानूनी लड़ाई शुरू हो चुकी है। सच सामने आकर रहेगा। स्वाभिमान और सम्मान के लिए लड़ूंगी। पीछे नहीं हटूंगी। डॉ. रोहिणी घावरी इंदौर के बीमा अस्पताल में काम करने वाली सफाईकर्मी की बेटी हैं। वह 2019 में हायर एजुकेशन के लिए स्विट्जरलैंड गई थीं। पढ़ाई के दौरान ही वह और चंद्रशेखर एक दूसरे के संपर्क में आए थे और तीन साल तक रिलेशनशिप में रहे। बाद में रोहिणी ने चंद्रशेखर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

रोहिणी ने शिकायत में क्या लिखा, हूबहू पढ़िए... 'मैं एक सामाजिक कार्यकर्ता और अनुसूचित जाति (सफाईकर्मी

समुदाय) की महिला, आपके समक्ष यह शिकायत अत्यंत पीड़ा और न्याय की आस के साथ प्रस्तुत कर रही हूं।2020 में मध्य प्रदेश सरकार की छात्रवृत्ति पर स्विट्जरलैंड के जिनेवा शहर में पीएचडी के लिए एडमिशन लिया। इसी दौरान मेरी जान-पहचान चंद्रशेखर आज़ाद, सांसद नगीना (बिजनौर, उत्तर प्रदेश) से हुई।जून 2021 से दोनों के बीच निरंतर संवाद शुरू हुआ। चंद्रशेखर ने मुझे यह विश्वास दिलाया कि वे अविवाहित हैं और मेरी जैसी जीवनसाथी की तलाश में हैं। उन्होंने विवाह का झांसा देकर भावनात्मक रूप से मेरे साथ संबंध बनाए। उनके आश्वासन पर मैंने न केवल व्यक्तिगत रूप से उन्हें अपनाया, बल्कि उनके राजनैतिक अभियानों में भी सक्रिय रूप से सहयोग दिया।चंदशेखर ने मेरे भारत आने पर विशेषकर दिल्ली में, कई बार मुझे होटल और अपने द्वारिका स्थित निवास पर बुलाकर यह कहकर शारीरिक संबंध बनाए कि वे मुझसे शीघ्र विवाह करेंगे।

2022 के उत्तरप्रदेश चुनाव में मुझे इनकी पार्टी के कुछ लोगों ने इनके शादी के बारे में बताया, जब मैंने इनसे पूछा तो इन्होंने साफ मना कर दिया, और बोले कि मेरी शादी नहीं हुई है। शादी तो तुमसे ही करूंगा, जब मैंने इस संबंध को समाप्त करने की बात की, तो उन्होंने आत्महत्या करने की धमकी दी और ÷बहुजन आंदोलन छोड़ने÷ जैसी बातें कहकर मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। इन्होंने मुझे हमेशा धोखे में रखा, और मुझसे शुरू से खुद को अविवाहित बताकर मेरे साथ शादी का झांसा देकर कई बार मेरी मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाए। उन्होंने मेरे प्रेम, विश्वास, निष्ठा और समर्पण का दुरुपयोग किया। विदेश में रहते हुए भी मैंने उनके सामाजिक अभियानों में साथ दिया। लेकिन उन्होंने न सिर्फ मेरे भावनात्मक विश्वास को तोड़ा, बल्कि मुझे सामाजिक रूप से बदनाम भी किया। आज स्थिति यह है कि लोग मुझे ÷रखैल÷ जैसे अपमानजनक शब्दों से संबोधित कर रहे हैं, जिससे मैं गहरे अवसाद में चली गई और दो बार आत्महत्या करने का प्रयास किया।

भोपाल में शोभायात्रा के बीच युवक का मर्डर

भोपाल (एजेंसी)। राजधानी भोपाल में रविवार रात धार्मिक शोभायात्रा के दौरान हुए हिंसक हमले में 20 साल के युवराज बंशकार की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वहीं दो अन्य युवक रोहित सेन और संजू वर्मा पर भी हमला किया गया। यह वारदात युवा हिंदू उत्सव समिति द्वारा आयोजित शोभायात्रा के दौरान हुई। शोभायात्रा सिंधी कॉलोनी से शुरू होकर माता मंदिर चौराहे तक निकाली जा रही थी। यात्रा में डीजे पर युवाओं के नाचने के दौरान अचानक कुछ हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया। अफरातफरी में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से युवराज की मौत हो गई। मृतक युवराज बंशकार उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले का रहने वाला था और इन दिनों भोपाल में

अपने परिजनों के साथ रह रहा था। हमीदिया अस्पताल में उसका पोस्टमॉर्टम किया गया। घटना के बाद सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ हमीदिया अस्पताल पहुंचे। दोनों नेताओं ने परिजनों से मुलाकात कर शोक जताया और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। दिग्विजय ने एसीपी राकेश बघेल से पूछा कि शोभायात्रा में हथियार कैसे पहुंचे, जबकि सरकार की गाइडलाइन है कि जुलूसों में हथियार नहीं ले जाए जा सकते। उन्होंने कहा- मेरे पास वीडियो है, जिसमें लोग हथियार लेकर चल रहे हैं। क्या आप एक्शन लेंगे?

'इजराइल-ईरान जंग रोकने का प्रयास करना चाहिए, ईरान हमारा पुराना दोस्त'

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री विश्व गुरु बनने का नारा लगाते हैं। जबकि दूसरी तरफ ईरान और इजराइल के बीच जंग हो रही है। हमें इसे रोकने का प्रयास करना चाहिए था। खड़गे ने कहा, चाहे आप (मोदी जी) विश्व गुरु हों या घर के गुरु। लोगों को पेट्रोल, डीजल, खाना, कपड़े और सिर पर छत चाहिए। हम चाहते थे कि वे इन चीजों के लिए प्रयास करें। खड़गे ने प्रधानमंत्री को याद दिलाया कि ईरान ने हमेशा भारत का समर्थन किया है क्योंकि देश अपनी ईंधन की जरूरत का 50 प्रतिशत हिस्सा ईरान से आयात करता है।

कर्नाटक के रायचूर में सोमवार को जनसभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा- पीएम मोदी हमेशा विपक्ष को नीचा दिखाते हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद बुलाई गई सर्वदलीय बैठकों में पीएम गायब रहे। इससे साफ पता चलता है कि विपक्ष के लिए उनके मन में बिल्कुल भी सम्मान नहीं है।

खड़गे ने कहा, आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 लोगों की हत्या कर दी। जवाब में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी ठिकानों पर हमले किए और आतंकवादियों को खत्म कर दिया। उस वक्त पूरा देश सेना के साथ खड़ा था, लेकिन ऐसे समय में भी कुछ लोग व्यक्तिगत श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे।

खड़गे ने आगे कहा कि वे (मोदी) अगर सेना में कैप्टन, कर्नल या लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में

काम करते, तो हम उनके बेहतरीन काम और देश के लिए लड़ने के लिए उनकी सराहना करते, लेकिन ऐसा नहीं है। इसके बजाय, वह बिहार चुनाव के लिए प्रचार में व्यस्त थे। इसका क्या मतलब है? जब देश और सैनिक एक तरफ लड़ रहे थे, तो प्रधानमंत्री ने हमें सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित करने के बाद दूसरी तरफ प्रचार करना चुना। यह अनुचित है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर सवाल उठाए थे। उन्होंने 9 जून को कहा था कि बीते 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 33 गलतियां की हैं। मैं 65 साल से राजनीति में हूं, लेकिन उनके जैसा झूठ बोलने वाला प्रधानमंत्री कभी नहीं देखा।

खड़गे ने कहा, %हम झूठ बोलते हैं, गलतियां करते हैं, वोट लेने के लिए युवाओं और गरीबों को मूर्ख बनाते हैं। जब हम उनसे सवाल पूछते हैं तो कभी जवाब नहीं देते। वे अपनी गलतियां कभी स्वीकार नहीं करते हैं। वे सिर्फ बोलते रहते हैं।%

बता दें कि नरेंद्र मोदी ने 9 जून 2024 को प्रधानमंत्री के तौर पर अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। मोदी सरकार ने बीते सोमवार को अपने तीसरे कार्यकाल की पहली और कुल मिलाकर 11वीं सालगिरह मनाई। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

एग्जाम सेंटर्स ने दी परीक्षा नहीं करने की चेतावनी दी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) की आगामी परीक्षाएं संकट में आ गई हैं। वजह, प्रदेशभर में ऑनलाइन परीक्षा कराने वाले सैकड़ों एग्जाम सेंटर्स का 2.70 करोड़ रुपए का भुगतान अटका हुआ है। यह राशि पिछली परीक्षा एजेंसी की तरफ से दी देनी थी, लेकिन अब तक भुगतान नहीं हुआ। स्थिति भी स्पष्ट नहीं की गई। इससे नाराज सेंटर संचालकों ने ईएसबी को चेतावनी दी है कि जब तक बकाया नहीं मिलेगा, तब तक वे परीक्षा केंद्र नहीं बनाएंगे।

दरअसल, ईएसबी ऑनलाइन मोड में परीक्षाएं कराता है। सरकारी संस्थानों के पास इसकी व्यवस्था नहीं है। पूर्व में नियुक्त एजेंसी परीक्षा से पहले 25त्न राशि एडवांस देती थी। बाकी 75त्न परीक्षा के 30 दिन के भीतर देती थी। ईएसबी ने पुरानी एजेंसी को हटाकर नई एजेंसी नियुक्त कर दी है। लेकिन पुरानी एजेंसी एडीक्यूटी ने सेंटर्स का भुगतान रोक रखा है। हाल ही में एग्जाम सेंटर्स के संचालकों की ईएसबी डॉ. ए. हेमलता की परीक्षा नियंत्रक के साथ मीटिंग भी हुई है, जिसमें उन्होंने शेष राशि का भुगतान कराने का आश्वासन दिया है। निजी कॉलेजों और संस्थानों के कंप्यूटर लैब को ऑनलाइन परीक्षा केंद्र बनाया जाता है। ऐसे में इनकी नाराजगी से जुलाई में प्रस्तावित परीक्षाएं-पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग और प्री-एग्रीकल्चर टेस्ट (पीएटी)-प्रभावित हो सकती हैं।

नगर निगम ग्वालियर में लापरवाही बरतने पर 2 उपयंत्री निलंबित

भोपाल (एजेंसी)। नगर पालिक निगम ग्वालियर में कार्यों में लापरवाही बरतने पर 2 उपयंत्रियों को निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने पिछले दिनों प्रदेश में नगर निगम में कार्यरत उपयंत्रियों की कार्यों की समीक्षा करने और लापरवाही बरतने वाले उपयंत्रियों के खिलाफ निलंबन जैसी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश नगर निगम आयुक्तों को दिये थे। नगर निगम ग्वालियर में पदस्थ उपयंत्री आशीष राजपूत को अपने क्षेत्र में निर्माण कार्यों की उचित निगरानी न करने और कर्त्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने पर निलंबित किया गया है। एक अन्य उपयंत्री राजीव पाण्डेय को जल प्रदाय और सीवर संधारण कार्य में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित किया गया है। राजीव पाण्डेय लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से प्रतिनियुक्ति पर नगर निगम ग्वालियर में पदस्थ थे।

खास बच्चों ने उत्साह से देखी स्पोर्ट्स कॉमेडी-ड्रामा फिल्म

भोपाल (एजेंसी)। स्पेशली एबल्ड बच्चों और युवाओं के लिए आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' का एक विशेष शो शुक्रवार को सी21 मॉल स्थित आईनॉक्स थिएटर में दैनिक भास्कर ने आयोजित किया। इसमें शहर के 200 विशेष बच्चों ने फिल्म देखी। यह एक स्पोर्ट्स कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसकी कहानी एक ऐसे बास्केटबॉल कोच (आमिर खान) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो स्पेशली एबल्ड बच्चों और युवाओं की एक टीम को प्रशिक्षित करता है। स्क्रीनिंग के दौरान बच्चों ने फिल्म का भरपूर आनंद लिया और उनके चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था। आयोजन का उद्देश्य इन्हें समान अवसर और सामान्य जीवन का संदेश देना था, जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़े और वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

हमीदिया का मेन गेट रेनोवेशन के बाद भी बंद

भोपाल (एजेंसी)। हमीदिया अस्पताल और गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) कैंपस का मेन गेट 16 जून को आम लोगों के लिए खोलने की घोषणा की गई थी, लेकिन 20 जून बीतने के बाद भी गेट अब तक नहीं खोला गया है। वजह- मरम्मत का काम करने वाले वेंडर को अब तक भुगतान नहीं हुआ, जिस पर नाराज होकर उसने गेट के सामने मिट्?टी का ढेर लगाकर रास्ता बंद कर दिया। गेट को रेनोवेशन के लिए 15 नवंबर 2024 को बंद किया गया था। उस समय दावा किया गया था कि 3 महीने में काम पूरा कर लिया जाएगा, लेकिन अब 7 महीने हो चुके हैं।

स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता, सेवा गुणवाा और जनविश्वास का समन्वय आवश्यक : उप मुयमंत्री शु ल

भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार के साथ-साथ स्वच्छता और साफ-सफाई भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं केवल दवा और इलाज तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अस्पताल परिसर का वातावरण, संक्रमण नियंत्रण, स्वच्छता और मरीजों को मिलने वाली संपूर्ण देखरेख भी उतनी ही आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य संस्थाओं ने कायाकल्प, एन.क्यू.ए.एस., मुस्कान और लक्ष्य जैसे कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह प्रमाणित किया है कि हम सही दिशा में कार्य कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने स्वर्ण जयंती सभागार नारोन्हा प्रशासनिक अकादमी भोपाल में वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के कायाकल्प, एनक्यूएएस, मुस्कान एवं लक्ष्य कार्यक्रमों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वास्थ्य संस्थाओं को सम्मानित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धियाँ प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की ओर बढ़ते कदम हैं।

उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि बड़ी संख्या में संस्थान इन मापदंडों पर खरे उतर रहे हैं, लेकिन हमारा प्रयास होना चाहिए कि शेष संस्थाओं को भी इन मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र के संपूर्ण सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में 10 हज़ार करोड़ की लागत के स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास के कार्य प्रगति पर हैं। साथ ही, स्वास्थ्य विभाग में 3 हज़ार चिकित्सकों सहित कुल 35 हज़ार पदों पर नियुक्तियाँ की जा रही हैं, जिससे मैनपावर की कमी दूर होगी और सेवा प्रदाय की गुणवत्ता बेहतर होगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के सभी 12,000 से अधिक स्वास्थ्य संस्थान कायाकल्प, एन.क्यू.ए.एस., लक्ष्य और मुस्कान जैसे मानकों पर खरे उतरें, इसके लिए केवल बजट और संसाधनों की नहीं, बल्कि सतत मॉनिटरिंग, संस्थागत प्रशिक्षण और कर्मचारियों को प्रेरित करने की आवश्यकता है। हर संस्थान को सशक्त और उत्तरदायी बनाकर प्रदेश के हर क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित कराना हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'स्वस्थ भारत' के लक्ष्य की दिशा में मध्यप्रदेश लगातार उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित कर रहा है। कायाकल्प अवार्ड जैसे कार्यक्रम इन प्रयासों को प्रोत्साहित करने वाले महत्वपूर्ण साधन हैं। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों की प्रतिबद्धता और सेवा भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की सफलता का आधार वही लोग हैं जो अस्पतालों में दिन-रात जनसेवा के लिए समर्पित रहते हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में मातृ मृत्यु दर वर्ष 2020 के 175 के मुकाबले घटकर 159 पर आ गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है।

अग्निवीर बने पिछड़ा वर्ग के पांच छात्र, छिंदवाड़ा जिले को दिलाया गौरव

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अग्निवीर भर्ती में युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण और बाद में अग्निवीरों को रोजगार में प्राथमिकता देने की घोषणा का युवाओं में सकारात्मक प्रभाव हुआ है। इसका शानदार उदाहरण है पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास छिंदवाड़ा, जहां रहकर पढ़ाई कर रहे पांच मेधावी छात्रों ने अग्निवीर सेना भर्ती परीक्षा में सफलता अर्जित कर जिले को गौरवान्वित किया है। छिंदवाड़ा जिले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर अपने सपनों को साकार किया जा सकता है। यानि इच्छाशक्ति दृढ़ हो और संसाधनों का समुचित उपयोग हो, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता। इन छात्रों में अंकित वर्मा, राजेश यदुवंशी, मोहन यदुवंशी, अंकित यदुवंशी एवं अर्जुन यदुवंशी ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के बलबूते यह उपलब्धि हासिल की है। छात्रों की सफलता न केवल उनके स्वयं के जीवन में एक नया अध्याय जोड़ेगी, बल्कि यह जिले के अन्य

विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। छात्रावास में रहकर उन्होंने न सिर्फ अपनी शैक्षणिक यात्रा को दिशा दी, बल्कि सेना जैसी प्रतिष्ठित सेवा में जाने के लिये प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना सपना भी साकार किया। इनकी सफलता उस नीति की जीवंत मिसाल है, जिसके तहत शासन द्वारा आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को निःशुल्क आवासीय सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, जिससे वे जिला मुख्यालय स्थित महाविद्यालयों में अध्ययन कर अपने भविष्य को मजबूत बना सकें।

जल स्रोतों के निर्माण कार्य तेज गति से किये जा रहे हैं पूरे

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में 30 मार्च से शुरू किये गये जल गंगा संवर्धन अभियान में जिलों में जल संरक्षण और उनके स्रोत के आस-पास साफ-सफाई के कार्य जनभागीदारी से लगातार किये जा रहे हैं। इसी के साथ प्रदेशभर में जल स्रोतों के निर्माण कार्य तेज गति से पूरे किये जा रहे हैं। खंडवा में 30 जून को राज्य स्तरीय वॉटर शेड सम्मेलन के साथ इस अभियान का समापन होगा। राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। करीब तीन माह से चल रहे अभियान में प्राचीन बावड़ियों को चिन्हित किया गया और उनके ऐतिहासिक महत्व की जानकारी जनसामान्य को दी गई। प्रदेशभर में जल चौपाल और जल यात्राओं का निरंतर आयोजन किया गया। ग्रामीणों को अच्छे भविष्य के लिये जल संरक्षण की गतिविधियां निरंतर आयोजित करने के लिये शपथ दिलाई गई। सतना जिले के नगर परिषद बिरसिंहपुर में विधायक श्री सुरेंद्र सिंह गहरवार के नेतृत्व में शीतला

माता वार्ड क्रमांक-3 में तालाब का गहरीकरण मेड़ बंधान का कार्य किया गया है। नगर में इस तालाब निर्माण कार्य को देखकर जनता में खुशी का माहौल है। जल गंगा संवर्धन अभियान से पहले क्षेत्र के इस तालाब का नामोनिशान मिट गया था। जनभागीदारी से यह तालाब क्षेत्र के लोगों में नया विश्वास पैदा करेगा। जिले में जन जागरूकता के लिये ग्रामीण क्षेत्रों में जल चौपाल के आयोजन किये गये इसी के साथ खेत का पानी खेत में को केन्द्रित करते हुए किसानों को खेत तालाब बनाने के लिये प्रोत्साहित किया गया। बुरहानपुर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में जन जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया गया है। दीवारों पर पानी के महत्व को बताते हुए स्लोगन लिखे गये हैं। इनमें प्रमुख हैं पानी है जीवन की आस, इसे बचाने का करो प्रयास बोलेगी चिड़िया डाली-डाली, पहले फैलाओ हरियाली दूषित नहीं करना जल, बर्बाद हो जायेगा कल सांसे हो रही है कम, आओ पेड़ लगाएं हम सबका हो एक ही नारा, वर्षा जल बचाओ सारा साफ सुथरा पानी, अच्छे स्वास्थ्य की निशानी। नगर परिषद शाहपुर क्षेत्र में भी दीवारों पर यह नारे चित्र सहित लिखे गये हैं।

विदिशा जिले के पठारी क्षेत्र में मूर्ति कला से मिल रहा है रोजगार

भोपाल (एजेंसी)। विदिशा जिले की तहसील पठारी क्षेत्र में अद्भुत पत्थर से बेशकीमती मूर्तियों का निर्माण किया जा रहा है। श्रद्धा, आस्था और भक्ति की केंद्र बन रही मूर्तियां भक्तों और कला प्रेमियों की पहली पसंद बन गई है। यहां की मूर्तियां देशभर में वास्तु और मूर्ति कला संरक्षण और उत्थान का काम कर रही हैं। जिले की तहसील पठारी के ग्राम सैदपुर में पत्थर मूर्तियों का निर्माण किया जा रहा है। यह मूर्तियां ग्राम सैदपुर के लाल, पीले और भूरे रंग के अद्भुत पत्थर से बनाई जा रही हैं।

पत्थर खदान मालिक डिंपल सिंघई ने बताया कि पठारी क्षेत्र से पूरे देश में जैन मंदिरों के फाउंडेशन बनाने वाले पत्थर ब्लॉक भेजे जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय लेबोरेटरी में सैदपुर खदान का पत्थर का गुणवत्ता के कारण चयन किया गया। आर्किटेक्चर प्रियंक जैन, मुख्य कलाकार रंजीत बेहरा और उत्तम मलिक ने बताया कि मूर्ति निर्माण के लिए विशेष मुहूर्त में पत्थर को वैदिक विधि से आमंत्रित किया जाता है। पत्थर को मूर्ति का रूप देने के लिए ड्राइंग करके तराशा जाता है। इसके बाद फिर ड्राइंग करके नक्काशी की जाती है। मूर्ति पर डिजाइन बनाकर सफाई, घिंसाई और पॉलिश कर चिन्ह अंकित कर अंतिम रूप दिया जाता है।

मुख्य रूप से नागर शैली स्थापत्य कला के लिए बनाई जा रही मूर्तियों में मथुरा शैली और गंधार शैली का अनूठा संगम नजर आता है। एक फुट से लेकर 13 फुट तक की भीमकाय मूर्तियों का निर्माण उड़ीसा, कोलकाता, चेन्नई, राजस्थान और मध्यप्रदेश के कुशल कलाकारों के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें जैन मूर्तियों में ध्यान मग्न अवस्था, विशाल बंद नेत्र, घुंघराले केश, सुडोल कंधे, गोद में दोनों हाथ रखे हुए तीर्थंकरों के हृदय पर श्री वत्स चिन्ह प्रतिमाओं की शोभा बढ़ाते है। किसी-किसी प्रतिमा में हाथ की उंगलियां मुड़ी हुई नजर आती हैं।

भोपाल में लता मंगेशकर की तस्वीरों की प्रदर्शनी लगी

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल स्थित भारत भवन में जल समृद्धि और संस्कृति कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। यह प्रदर्शनी भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर को समर्पित है। इस प्रदर्शनी का शीर्षक है चित्र लतिका, जिसे जबलपुर के चर्चित चित्रकार रामकृपाल नामदेव ने प्रस्तुत किया है। रामकृपाल नामदेव द्वारा बनाई गई यह प्रदर्शनी अनूठे चित्रों की श्रृंखला है, जिसमें लता मंगेशकर के जीवन और व्यक्तित्व को सजीव चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। वर्ष 2013 से वे लता मंगेशकर के चित्र बना रहे हैं, और हर एक चित्र को पूर्ण करने में उन्हें तीन से चार महीने का समय लगता है। प्रदर्शनी की सबसे खास कृति वह चित्र है जिसमें 930 चेहरे बनाए गए हैं। इस चित्र में 630 विश्व प्रसिद्ध महिलाओं के चेहरे शामिल हैं जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष पहचान बनाई है, शेष सभी चेहरे लता मंगेशकर के हैं। इस चित्र पर स्वयं लता मंगेशकर ने 29 जून 2014 को हस्ताक्षर किए थे। इस चित्र को 2016 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान मिला था। इसके अलावा रामकृपाल नामदेव की एक अन्य पेंटिंग जिसमें 1430 चेहरे हैं, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। उन्होंने एक ऐसी पेंटिंग भी बनाई है जिसमें 4359 चेहरे समाहित हैं।

मुयमंत्री के महिला सशक्तिकरण के प्रयासों की ऊंची उड़ान

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की महिला सशक्तिकरण की मंशा का जीवंत उदाहरण है पचमढ़ी का होटल अमलतास। पिछले 6 माह में ही महिलाओं द्वारा संचालित इस होटल की देशभर में चर्चा हो रही है। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग का नवाचार-होटल अमलतास%, महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

गत वर्ष 6 दिसंबर 2024 को प्रारंभ हुई अमलतास होटल का संपूर्ण स्टाफ महिलाएं हैं। मप्र पर्यटन विभाग के इस शानदार नवाचार ने महिलाओं के प्रति समाज की सोच बदली है। होटल में महिला गार्ड से लेकर, कुक, गार्डनर, शेफ, चौकीदारी, मैनेजर सहित अन्य 22 महिला कार्यरत हैं। यह होटल न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना

रहा है साथ ही सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण भी उपलब्ध करा रहा है जहाँ महिलाएं प्रभावी नेतृत्व कर रही हैं।अमलतास होटल की मैनेजर ज्योति जयसवाल कहना है कि जिस तरीके से महिलाएं घर को संभालती हैं, उसी तरह हम लोगों ने होटल को सजा संवारकर और सुंदर बनाकर रखा है। जिससे कोई भी पर्यटक यहां आए तो वह खुश होकर जाए। इस होटल को पूरी तरह से महिलाएं चला रही हैं। पर्यटकों को घर की तरह ही सारी सुविधाएं दी जाती है। वेटर सुनीता शर्मा बताती है कि हमें यहां घर जैसा माहौल लगता है। सभी पर्यटकों को भी घर जैसा खाना मिलता है। उन्हें भी यहां घर जैसा ही फील होता है और हमें भी कार्य करने में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नही आती। अमलतास होटल की शेफ कुंती ने बताया कि यह होटल प्योर वेज होटल है। यहां साउथ इंडियन खाना भी मिलता है। टूरिस्ट भी हमारे खाने की तारीफ करते हैं। यहां की खास डिस बड़ा सांभर, इडली और डोसा है।होटल की रिसेप्शनिस्ट आलिया फातिमा बताती है कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश टूरिज्म ने महिलाओं के लिए ये एक बहुत अच्छी पहल की है. इससे हमें बहुत खुशी है। कई महिलाएं घरों से निकल नहीं पाती है लेकिन हम लोगों को यहां काम करने का मौका मिला है. हमारे लिए रोजगार का ये एक अच्छा अवसर है जिससे हमारे घरों की स्थितियों परिस्थितियों में सुधार आया है और हमारा आत्मनिर्भर होने का एहसास हमें शक्ति देता है।

भोपाल का भूजल औसतन 4 मीटर गिरा छोला-बावड़िया में 6.5 मीटर तक घटा

भोपाल (एजेंसी)। शहर में इस बार भले ही तेज गर्मी न पड़ी हो लेकिन भूजल स्तर में साढ़े छह मीटर तक की गिरावट कई क्षेत्रों में आई है। इस साल शहर का अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस तक गया था। लेकिन, 2024 में मानसून के बाद और अब मानसून के पूर्व ग्राउंड वाटर लेवल में खासी गिरावट दर्ज की गई है। अगर हमने इस मानसून सीजन में वाटर रिचार्जिंग पर ध्यान दिया तो हम बेहतर स्थिति में पहुंच सकते हैं। जल संसाधन विभाग ने भोपाल जिले में 100 लोकेशन के भूजल स्तर की जांच की है। इसमें सामने आया कि शहर में औसतन 4 मीटर तक भूजल स्तर कम हुआ है। अक्टूबर 2024 में जिन स्थानों पर पानी जमीन से 1.70 मीटर नीचे मिल रहा था, वहां अब 6.6 मीटर नीचे पानी मिल रहा है। जल संसाधन विभाग ने कई जगह कुओं और हैंडपंप पर यह स्टडी

की है। जिन क्षेत्रों में डेम या तालाब हैं वहां जलस्तर में ज्यादा गिरावट नहीं आई है।

पिछले साल से कम गिरावट... इस बार गर्मी कम पड़ने से पिछले साल से भूजल स्तर कम गिरा है। पिछले साल चूनाभट्?टी में भूजल स्तर 10 मीटर तक पहुंच गया था,इस बार 9.30 मीटर है। पिछले साल अरेरा कॉलोनी में 6 मीटर तक पहुंच गया था जो इस बार 5.70 मीटर है। जहांगीराबाद, पिपलानी आदि की भी कमोबेश यह स्थिति है। जल संसाधन विभाग तय साइट्स पर पोस्ट मानसून और प्री मानसून वाटर लेवल चैक करता है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि भूजल स्तर का ट्रेंड क्या है और कितना रिचार्ज हो रहा है।

भोपाल में जो ट्रेंड सामने आया है, उसके तहत लगभग चार मीटर की गिरावट प्रीड्डमानूसन में हुई है। मई में इसकी जांच की गई थी। बारिश में भूजल रिचार्ज होता है। लेकिन, नवंबर से इसमें गिरावट होने लगती है। गर्मी के पीक सीजन में सबसे ज्यादा गिरावट होती है। -संजय जोधपुरकर, सहायक भूजलविद्, जल संसाधन विभाग

भोपाल में बावड़िया कला में भूजल स्तर 6.6 मी. तक गिरा है। पिछले साल मानसून के बाद यहां का लेवल 1.70 मी. था, जो इस गर्मी में 8.30 मी. पर पहुंच गया। यह स्टडी मई में हुई थी। इसी तरह छोला क्षेत्र में पिछले साल मानसून के बाद भूजल स्तर 2.30 मीटर था, जो अब 8.60 मी. पर पहुंच गया। इस तरह से 6.3 मी. की गिरावट आई है।

वहीं फंदा और बैरसिया क्षेत्र में भी गिरावट आई है।

चार दशक बाद उपभोक्ता फोरम से मिला न्याय

भोपाल (एजेंसी)। पिता की पीएफ राशि पाने के लिए बेटे ने पूरे 43 साल तक संघर्ष किया, अब जाकर इंसाफ मिला। भोपाल निवासी सदाशिव ने अपने पिता की भविष्य निधि (पीएफ) की राशि के लिए एम्पलाइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन (ईपीएफओ) से लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। आखिरकार, जिला उपभोक्ता फोरम भोपाल ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए ईपीएफओ को ब्याज समेत कुल 24 लाख 12 हजार 251 रुपए की राशि लौटाने का आदेश दिया है।इसके अतिरिक्त 15 हजार रुपए का हर्जाना भी अदा करने को कहा है। फैसले के दौरान फोरम बेंच अध्यक्ष गिरिबाला सिंह, सदस्य अंजुम फिरोज और प्रीति मुद्गल ने स्पष्ट कहा कि ईपीएफओ ने अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं किया और न्याय में देरी के लिए वह उत्तरदायी है। पिता की मृत्यु के बाद भी नहीं मिली पीएफ राशि -सदाशिव के पिता बाला साहेब मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक में सब-अकाउंटेंट के पद

पर कार्यरत थे। 10 फरवरी 1982 को सेवा के दौरान उनका निधन हो गया था। इसके बाद सदाशिव को अनुकंपा नियुक्ति तो मिल गई, लेकिन पीएफ की राशि लंबित रह गई। वर्षों तक प्रयास करने के बावजूद राशि नहीं मिली और अंततः 2020 में सदाशिव स्वयं सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने 2022 में जिला उपभोक्ता फोरम में याचिका दायर की। ईपीएफओ ने अपने बचाव में कहा कि उसने बैंक को कई पत्र लिखे, लेकिन जानकारी न मिलने के कारण भुगतान नहीं हो सका।

गर्भवती महिला की 7 महीने में केवल दो जांचें, गोलखेड़ी में मिली कई खामियां, 5 को नोटिस

भोपाल (एजेंसी)। गोलखेड़ी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्र (वीएचएसएनडी) में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय द्वारा की गई जांच में कई खामियां पाई गईं, जिन पर अब कार्रवाई की तैयारी हो रही है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, सत्र स्थल पर केवल एक गर्भवती महिला मिली, उसका सातवां माह चल रहा था। लेकिन अब तक उसकी मात्र दो बार प्रसव पूर्व जांचें हुई थीं। इनमें भी सिर्फ हीमोग्लोबिन, वजन और रक्तचाप की जांच शामिल थी, जबकि अन्य आवश्यक जांचें नहीं की गई थीं। संबंधित हितग्राही के मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्ड (एमसीपी कार्ड) में जांचों का कोई उल्लेख नहीं था। इसके अलावा कार्ड में समग्र आईडी, एमपीआरसीएच आईडी और बैंक खाता नंबर भी दर्ज नहीं थे। सत्र स्थल पर आवश्यक उपकरणों की भी कमी पाई गई। फीटल डॉप्लर, एचबीएसएजी टेस्ट किट और चालू पल्स ऑक्सीमीटर मौके पर मौजूद नहीं थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने संबंधित सभी कर्मचारियों से सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है।

सिन्धु मंगल भवन सतना, नई कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न

घनश्याम मंघरानी अध्यक्ष, गंगाराम होतवानी महामंत्री निर्वाचित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पूज्य पंचायत सिन्धु मंगल भवन (सिन्धी धर्मशाला), सिन्धी कॉलोनी, सतना के सत्र 2025-28 के लिए नई कार्यकारिणी का चुनाव 22 जून, रविवार को सिन्धु मंगल भवन में आयोजित हुआ। चुनाव अधिकारियों की देखरेख में हुए मतदान में 520 मतदाताओं ने अपने मत का उपयोग किया।

चुनाव परिणाम में, घनश्याम दास मंघरानी (गन्नू) को अध्यक्ष, इन्द्रलाल आडवानी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संतोष गेलानी को कनिष्ठ उपाध्यक्ष, गंगाराम होतवानी को महामंत्री, संजय वाधवानी को मन्त्री, विशाल राजपाल (बिट्टू) को सहमंत्री और अशोक पिंजानी को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

कार्यकारिणी का चयन सर्वसम्मति से किया गया। कार्यकारिणी के सदस्यों में भरत आहुजा, कमल सेनानी, किशोर हेमराजानी (बंटी), मनीष होतवानी (मन्शी), नरेन्द्र कुमार सोनेजा, प्रदीप मीरानी, प्रकाश चांदवानी, डॉ. प्रकाश सिंह, राकेश पंजवानी, रंजीत सेनानी, रूपेश चावला, रूपेश मंचनदानी, श्याम मनवानी, विजय कुमार वाधवानी और विनोद पिंजानी को मनोनीत किया गया।

विश्व योग दिवस पर सतना में चिकित्सकों ने दिया योग का संदेश, करें योग, रहें निरोग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) सतना द्वारा विश्व योग दिवस 2025 के अवसर पर गोयल फार्म हाउस में एक भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के कई वरिष्ठ चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आईएमए अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य योग को दैनिक जीवन में अपनाकर शारीरिक, मानसिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत अलंकृता के मधुर भक्ति गीत से हुई, जिसने वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद प्रमाणित योग प्रशिक्षिका प्रज्ञा सिंह के मार्गदर्शन में योग सत्र आयोजित हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न योग आसनों का अभ्यास किया। तत्पश्चात, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. माणिक चंद्र गुप्ता ने प्राणायाम और आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से मन को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने के उपाय साझा किए।

योग सत्र के बाद डॉ. माणिक चंद्र गुप्ता, प्रज्ञा सिंह और अलंकृता को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। डॉ. एन. पी. तिवारी ने कार्यक्रम का समन्वय और संचालन कुशलतापूर्वक किया।

आईएमए अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल और सचिव डॉ. आलोक खन्ना ने समापन भाषण में सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शहर के कई प्रतिष्ठित चिकित्सक उपस्थित थे, जिनमें डॉ. आर. के. नेमा, डॉ. नवीन कालरा, डॉ. विपिन दुबे, डॉ. सारिका कालरा, डॉ. डी. के. तिवारी, डॉ. आशुतोष नेमा, डॉ. हरि अग्रवाल, डॉ. आलोक जैन, डॉ. राजकुमार जैन, डॉ. सुनील अग्रवाल, डॉ. आर. एस. त्रिपाठी, लक्ष्मी त्रिपाठी, डॉ. सी. एम. तिवारी, डॉ. जी. पी. सिंह, डॉ. सुमित अग्रवाल, डॉ. मनीषा अग्रवाल, डॉ. हरकिरण बाबा, डॉ. रेखा त्रिपाठी, डॉ. वी. के. गांधी, डॉ. सुनील कारखुर, कामिनी कारखुर, डॉ. प्रमोद पाठक, डॉ. प्रतिभा दुबे, डॉ. संतोष जैन, डॉ. संकल्प जैन, डॉ. मुदित जैन, डॉ. प्रभात सिंह, डॉ. अदिति सिंह, डॉ. पी. डी. अग्रवाल, डॉ. चारुलता सोईं, डॉ. संजीव प्रजापति सहित अन्य चिकित्सक सपरिवार शामिल हुए।

कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि योग को केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि दैनिक जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाया जाएगा।

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई, युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर गांव में सोमवार शाम करीब 4 बजे तेज रफ्तार में जा रही एक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई।हादसे में जान गंवाने वाला युवक धीरेंद्र सिंह (35) ऐठी गांव के रूप में हुई है। वह अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। कुसमी थाना प्रभारी एसआई कप्तान सिंह ने बताया कि बाइक सवार की मौत मौके पर ही हो गई थी। शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

एबीवीपी ने जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) रीवा नगर इकाई ने जिले के विभिन्न विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया में हो रही अनियमितताओं और छात्रों को हो रही समस्याओं के विरोध में जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

एबीवीपी ने आरोप लगाया कि कुछ विद्यालय मनमानी शुल्क वसूल रहे हैं और पात्र छात्रों को प्रवेश से वंचित किया जा रहा है। साथ ही, कई विद्यालयों में आरक्षित वर्ग के छात्रों को नियमों के अनुसार प्रवेश नहीं मिल रहा, जिससे अभिभावकों और छात्रों में भारी असंतोष है।

ज्ञापन सौंपते समय नगर मंत्री हर्ष साहू ने कहा, "शिक्षा का अधिकार प्रत्येक छात्र का मूलभूत अधिकार है। यदि विद्यालय मनमानी करते रहे, तो विद्यार्थी परिषद आंदोलन के लिए बाध्य होगी और इसकी पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।" उन्होंने बताया कि कुछ विद्यालय बिना नियम या पारदर्शिता के धन लेकर प्रवेश दे रहे हैं, जो अनुचित और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाला है।

हर्ष साहू ने आगे कहा, "शिक्षा का व्यवसायीकरण नहीं होना चाहिए। सरकारी या सहायता प्राप्त विद्यालयों में पारदर्शी प्रक्रिया के तहत ही प्रवेश होना चाहिए। लेकिन, कई मामलों में प्रबंधन धन लेकर छात्रों को प्राथमिकता दे रहा है, जिससे मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्र पीछे छूट रहे हैं।"

जिला संयोजक पी. एन. पांडे ने बताया कि कई विद्यालयों में अभी तक पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हुई, जिससे छात्रों की पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि विभाग शीघ्र रिक्त पदों को भरे और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करे।

जिला शिक्षा अधिकारी ने ज्ञापन स्वीकार कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया और संबंधित विद्यालयों से स्पष्टीकरण मांगने की बात कही।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला संयोजक पी. एन. पांडे, विभाग छात्रा प्रमुख कृति तिवारी, नगर मंत्री हर्ष साहू, लव पांडे, आयुष शुक्ला, आशीष द्विवेदी, अनुराग द्विवेदी, शशांक, देवांशी, विनय गौतम, ओमकार जायसवाल, शिवेश सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 85.5 मिली मीटर वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में मानसून ने दस्तक दे दी है। जिले में एक जून से अब तक 85.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी हैं। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 103.7 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 41.5 मिलीमीटर, गुढ़ में 105 मिलीमीटर, सिरमौर में 141.6 मिलीमीटर, त्योंथर में 38 मिलीमीटर, सेमरिया में 118 मिलीमीटर, मनगवां में 62 मिलीमीटर तथा जवा में 74 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 16.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी थी। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1044.6 मिलीमीटर है।

ग्राम पंचायतों में मृतकों को पेंशन लापरवाही पर कार्यवाही ठंडे बस्ते में

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनपद पंचायत गंगेव की विभिन्न ग्राम पंचायतों में कई वर्षों से आधा सैकड़ा मृत पेंशनधारियों को पेंशन का लाभ मिल रहा था। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी की जांच में इस गंभीर अनियमितता का खुलासा हुआ। इतनी बड़ी लापरवाही के बावजूद, दोषी सचिवों और रोजगार सहायकों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जब इस मामले में जनपद पंचायत गंगेव की सीईओ प्राची चौबे से फोन पर संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को भेजा गया है। हालांकि, प्रस्ताव जिला पंचायत रीवा को भेजे जाने के बावजूद, मृतकों को पेंशन वितरण करने वाले दोषी कर्मचारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे जिला पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

जन चर्चा है कि क्या दोषी सचिवों और रोजगार सहायकों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है? यह देखना बाकी है कि कार्रवाई का प्रस्ताव कागजों तक सीमित रहेगा या वास्तव में कोई ठोस कदम उठाया जाएगा। यह समय ही बताएगा।

नोटिस के संबंध में हुजूर तहसील पहुंच कर किसानों ने सौंपा ज्ञापन

तार टूटने से खेत में लगी थी आग, लेकिन किसानों को नरवाई जलाने का दिया नोटिस

बिजली विभाग की लापरवाही से हुई थी आगजनी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के ग्राम पुरैनी के 80-90 किसानों को राजस्व विभाग ने नरवाई जलाने के आरोप में नोटिस जारी किया है। हालांकि, 11 मई 2025 को बिजली विभाग के तार टूटने से खेतों में आग लगी थी। ग्राम पुरैनी के सरपंच और किसानों ने त्वरित सूझबूझ दिखाते हुए फायर ब्रिगेड को सूचित कर आग पर काबू पाया और बिजली विभाग को घटना की जानकारी दी। इसके बावजूद, राजस्व विभाग ने बिना वास्तविक तथ्यों की जांच किए किसानों को नोटिस भेज दी।

जिसे लेकिर किसानों ने सरपंच के साथ मिलकर इस घटना और नोटिस के संबंध में हुजूर तहसील कार्यालय में पहुंच कर ज्ञापन पत्र सौंपा। बिजली विभाग की लापरवाही के कारण ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। इससे ग्राम पुरैनी के किसान और आमजन को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

चौमुखनाथ घाट सोहावल में हुआ सुतीक्ष्णा आरती का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना सांस्कृतिक एवं साहित्यिक मंच के अध्यक्ष डॉ. यू. बी. सिंह परिहार के नेतृत्व में सदा नीरा सुतीक्ष्णा आरती एवं जल संवर्धन काव्य गोष्ठी का आयोजन चौमुखनाथ मंदिर, सोहावल में सायंकाल सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी धारणीधाराचार्य महाराज (बड़ा अखाड़ा, सोहावल) थे, जबकि अध्यक्षता और बीज वक्तव्य जल वैज्ञानिक व वरिष्ठ साहित्यकार प्रभाशंकर मिश्र ने दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभु राम दरबार की पूजा-अर्चना और शैलेन्द्र सिंह परिहार (शैल) की सरस्वती वंदना से हुआ। अपने बीज वक्तव्य में डॉ. मिश्र ने जल स्रोतों के संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जंगलों की अंधाधुंध कटाई और जल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए जागरूकता पर बल दिया। साथ ही, ड्रिप सिंचाई और जल संचयन पर किसानों को तत्काल ध्यान देने तथा आवश्यकता से अधिक जल खर्च न करने का संकल्प लेने की सलाह दी।

विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ साहित्यकार छोटे लाल पाण्डेय, सत्येन्द्र सिंह सेंगर (आकाशवाणी, रीवा), नरेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. एन. पी. तिवारी (बिरला अस्पताल, सतना), रामानन्द सिंह (सेवानिवृत्त कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन), आर. के. सिंह (रीवा), जी. पी. चतुर्वेदी, आचार्य राम सलोने मिश्र (राघव), देश राज सिंह (क्रान्ति), और निर्मला सिंह परिहार ने जल संवर्धन पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए। सभी ने डॉ. यू. बी. सिंह परिहार के भागीरथ प्रयासों में आजीवन सहयोग का वचन दिया। धर्मेन्द्र सिंह परिहार (धरम) के संचालन में जल संरक्षण के लिए जन जागरण का आह्वान किया गया।

सत्येन्द्र सिंह सेंगर ने अपने उद्बोधन में डॉ. यू. बी. सिंह परिहार के जल संरक्षण संकल्प की सराहना की। मंच के अध्यक्ष डॉ. परिहार ने "जागा जागा रे..." गीत गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। काव्य गोष्ठी में अजीत सिंह परिहार (कुंवर), रामपाल सिंह परिहार, नागेन्द्र प्रतिहार, रमेश प्रताप सिंह (जाखी), डॉ. अरुण कुमार पयासी (बघेली बांधव), और ओम प्रकाश अग्रवाल ने जल संवर्धन पर अपने विचार साझा किए।कार्यक्रम का समापन संध्या समय सुतीक्ष्णा माता की आरती के गायन और वैदिक मंत्रों के साथ हुआ।

भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना का लक्ष्य आवंटित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भगवान बिरसामुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के लिये जिले का लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। जिला संयोजक अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार भगवान बिरसा मुण्डा योजना के लिये 15 तथा टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के लिये 78 प्रकरणों का लक्ष्य नियत किया गया है। जिले के बैंकों के लिये लक्ष्य का पुर्नवंटन कर ऋण प्रकरणों की समय सीमा में स्वीकृति जारी करने की अपेक्षा बैंकर्स से की गई है। भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना में उद्योग इकाई विनिर्माण हेतु एक लाख से 50 लाख की परियोजनायें एवं सेवा इकाई व खुदरा व्यवसाय हेतु एक लाख रूप्ये से 25 लाख तक की परियोजनायें एवं 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान 7 वर्ष तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर त्रैमासिक दिया जायेगा। गारंटी फीस म.प्र. शासन द्वारा देय होगी। इसके लिये आवेदक जिले का निवासी हो, आवेदक अनुसूचित जनजाति वर्ग का सदस्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र, आवेदक की उम्र 18 से 55 वर्ष के मध्य हो, आवेदक वर्तमान में राज्य अथवा केन्द्र सरकार की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का हितग्राही न हो। आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा किसी वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो। पात्रता धारी आवेदक एमपी आनलाइन के पोर्टल के माध्यम से उक्त योजनाओं में आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय कलेक्टर जनजातीय कार्य विभाग रीवा में संपर्क किया जा सकता है।

आशा कार्यकर्ता को आयुष्मान कार्ड बनाने पर मिलेगी प्रोत्साहन राशि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसके माध्यम से एक व्यक्ति को वर्ष भर में चुने हुए सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों से पाँच लाख रुपए तक के उपचार की सुविधा मिलती है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार आशा कार्यकर्ता को एक आयुष्मान कार्ड बनाने पर 5 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। आशा कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन राशि के भुगतान के लिए आवंटन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के खातों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आशा कार्यकर्ताओं को आयुष्मान कार्ड की प्रोत्साहन राशि का तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए हैं।

कमिश्नर कार्यालय में टीएल बैठक का आयोजन आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।कमिश्नर कार्यालय में 24 जून को सुबह 11 बजे से टीएल बैठक आयोजित की गयी है। बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ई-आफिस, पेंशन प्रकरण, सीएम हेल्पलाइन, एटीआर तथा जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करेंगे। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थिति के निर्देश दिये गये।

मिट्टी के पोषक तत्व और गुण बताता है मृदा स्वास्थ्य कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार द्वारा स्वाइल हेल्थ कार्ड यानी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत किसान सिंचित क्षेत्र में 2.5 एकड़ तथा असिंचित क्षेत्र में 10 एकड़ क्षेत्र से मिट्टी का नमूना लेकर उसकी जाँच कराते हैं। यह जाँच कृषि विभाग द्वारा की जाती है। कृषि विभाग द्वारा मिट्टी के नमूने लिए जाने पर इसकी जाँच पूरी तरह से निःशुल्क रहती है। यदि किसान स्वयं सेंपल लेकर जाता है तो मिट्टी के नमूने की जाँच के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के किसान को तीन रुपए तथा सामान्य वर्ग के किसान को पाँच रुपए प्रति नमूना शुल्क देना होता है। मिट्टी में माइक्रो न्यूट्रेंट की जाँच कराने के लिए अनुसूचित जाति और जनजाति के किसानों को 30 रुपए तथा सामान्य वर्ग के किसानों को 40 रुपए शुल्क देना होता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसान को उसके खेती की मिट्टी के गुणों तथा पोषक तत्वों की जानकारी मिलती है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि मिट्टी के पोषक तत्व के आधार पर किसान को उचित फसल की सलाह दी जाती है। मिट्टी में यदि पोषक तत्व की कमी है तो उसके अनुरूप उर्वरक के उपयोग का सुझाव दिया जाता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसान के खेत की मिट्टी का रिपोर्ट कार्ड है। इस कार्ड में किसान का नाम, सर्वे नम्बर, खेत का रकबा आदि लिखा रहता है। प्रत्येक तीन साल में मिट्टी की जाँच कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड में दर्ज कराना आवश्यक है। हर किसान अपने प्रत्येक खेत की मिट्टी की जाँच कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड अवश्य बनवाएं। इससे सही फसल के चयन, खाद के संतुलित उपयोग और जल प्रदूषण से बचाव में सहायता मिलती है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रत्येक किसान के लिए बहुत उपयोगी है।

संविधान सत्याग्रह चौपाल का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर शुरू हुए प्रदेशव्यापी 'संविधान सत्याग्रह' के तहत 23 जून 2025 को रीवा विधानसभा के चिरहुला ब्लॉक, वार्ड नं. 39, रानी तालाब की दलित बस्ती में जिला शहर कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में चौपाल और परिचर्चा का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम 25 जून 2025 तक पूरे मध्य प्रदेश में चलेगा।

चौपाल में बस्तीवासियों से चर्चा में कहा गया कि भाजपा सरकार में असमानता चरम पर है। अमीर और अमीर, जबकि गरीब और गरीब हो रहा है। मध्यमवर्गीय परिवारों और गरीबों से मनमाना कर वसूल कर चंद पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। दलित और आदिवासियों के खिलाफ घटनाएं बढ़ रही हैं, जिन्हें रोकने में सरकार नाकाम रही है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा संविधान में दिए गए समानता के अधिकार को भाजपा सरकार अनदेखा कर रही है। ग्वालियर हाईकोर्ट खंडपीठ में बाबा साहब की मूर्ति स्थापना के मुद्दे पर भी भाजपा मौन है।

चिरहुला ब्लॉक अध्यक्ष रामकीर्ति शर्मा ने संकल्प दिलाया कि ग्वालियर हाईकोर्ट खंडपीठ में डॉ. अंबेडकर की मूर्ति हर हाल में स्थापित होनी चाहिए। उन्होंने हाईकोर्ट के सभी न्यायाधीशों से इसकी मांग की।

कार्यक्रम में रामकीर्ति शर्मा, ढेकहा ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश द्विवेदी (काकू), बोदाबाग अध्यक्ष शिवेंद्र प्रताप सिंह बघेल, शहर संगठन मंत्री सज्जन पटेल, पार्षद आरती बक्सरिया, पूर्व पार्षद गुले अहमद, सेक्टर अध्यक्ष अनवर अंसारी, नूर अफजल, श्रीकांत कक्का, गुलाम हुसैन, शबनम बेगम, प्रीती बक्सरिया, सीमा बक्सी, प्रियंका महोतिया, सोनम महोतिया, हेमा बक्सरिया, पुष्पेंद्र कुमार, दीपक वर्मा, दिनेश कोल, अरविंद रावत, चंदन वर्मा सहित कई वार्डवासी उपस्थित रहे।

विचार

पाकिस्तान की नोबेल डिप्लोमेसी' पर गिरी गाज

पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर को अपने अमेरिका दौरे पर इतराते हुए और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किये हुए 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि पाकिस्तान एक बड़े राजनयिक संकट में फंस गया और उसे ऐसा डिप्लोमेटिक यूटर्न लेना पड़ा जोकि राजनय के इतिहास में हमेशा के लिए हास्यास्पद घटना के तौर पर देखा जायेगा। हम आपको बता दें कि जैसे ही पाकिस्तान ने 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए डोनाल्ड ट्रंप को नामांकित करने की घोषणा की उसके कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर बंकर बलास्टर बम बरसवा कर मध्य पूर्व में युद्ध का खतरा पैदा कर दिया। ऐसे में पाकिस्तान के लिए सिर मुंडाते ही ओले पड़ने वाली स्थिति पैदा हो गयी। हम आपको बता दें कि इस कहावत का हिंदी में मतलब है शर्मिंदा होना या मूर्ख दिखना। ईरान पर अमेरिकी हमलों से पहले डोनाल्ड ट्रंप को विश्व का शांति दूत करार दे रहे पाकिस्तान ने अमेरिकी बमवर्षक विमानों के हमले की निंदा वाला बयान जारी करते हुए कहा कि ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी मानदंडों का उल्लंघन हैं। पाकिस्तान ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत ईरान को आत्मरक्षा का वैध अधिकार है।

हम आपको यह भी बता दें कि पाकिस्तान के कुछ नेताओं और प्रमुख हस्तियों ने ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर अमेरिका के हमले के बाद सरकार से 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम की सिफारिश करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा है। इसलिए देखना होगा कि क्या पाकिस्तान सरकार नोबेल पुरस्कार समिति से की गयी अपनी सिफारिश को वापस लेती है या नहीं? हालांकि उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के हस्ताक्षर वाला अनुशंसा-पत्र नॉर्वे में नोबेल शांति पुरस्कार समिति को भेजा जा चुका है। लेकिन अमेरिका द्वारा ईरान के फोर्दो, इस्फहान और नतांज परमाणु केन्द्रों पर हमले किए जाने के बाद इस फैसले को लेकर पाकिस्तानी नागरिकों, संगठनों और मीडिया की ओर से आपत्तियां आने लगी हैं।

पाकिस्तान के कई प्रमुख राजनेताओं ने शहबाज शरीफ सरकार से नवीनतम घटनाक्रम के मद्देनजर अपने फैसले की समीक्षा करने की मांग की है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख वरिष्ठ नेता मौलाना फजलुर रहमान ने मांग की है कि सरकार अपना फैसला वापस ले। फजल ने पार्टी की एक बैठक में कार्यकर्ताओं से कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप का शांति का दावा झूठा साबित हुआ है; नोबेल पुरस्कार के लिए प्रस्ताव वापस लिया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि ट्रंप की हाल में पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ बैठक और दोनों के साथ में भोजन करने से 'पाकिस्तानी शासकों को इतनी खुशी हुई' कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति को नोबेल पुरस्कार के लिए नामित करने की सिफारिश कर दी। फजल ने सवाल किया, ''ट्रंप ने फलस्तीन, सीरिया, लेबनान और ईरान पर इजराइल के हमलों का समर्थन किया है। यह शांति का संकेत कैसे हो सकता है?'' उन्होंने कहा, ''जब अमेरिका के हाथों पर अफगानों और फलस्तीनियों का खून लगा हो, तो वह शांति का समर्थक होने का दावा कैसे कर सकता है?''

ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के वैश्विक मायने

कमलेश पांडे

आखिरकार दुनिया का थानेदार समझे जाने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने मित्र यहूदी देश इजरायल की शांति के लिए चुनौती बन चुके कट्टरपंथी इस्लामिक राष्ट्र ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर हवाई हमले करके जहां विगत 10 दिनों से चल रहे इजरायल-ईरान युद्ध को एक नया मोड़ दे दिया, वहीं अपनी इस अप्रत्याशित कार्रवाई से उनकी थानेदारी को महज बयानी चुनौती देने वाले चीन-रूस-उत्तर कोरिया आदि देशों को भी एक स्पष्ट संदेश दे दिया कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अपनी हद में रहो, अन्यथा अंजाम और भी बुरे हो सकते हैं। इस प्रकार ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के वैश्विक मायने स्पष्ट हैं, जो एक ध्रुवीय विश्व को बहुध्रुवीय बनाने के प्रयासों की विफलता को उजागर करते हैं। वहीं, ये कुछ अन्य महत्वपूर्ण वैश्विक पहलुओं पर भी प्रकाश डालते हैं जो अग्रलिखित हैं।

पहला, ईरान पर हुए अमेरिकी हमले से एक बार फिर यह स्पष्ट हो चुका है कि मौजूदा एक ध्रुवीय विश्व में अमेरिका के सजग और शातिर नेतृत्व को ऑन द स्पॉट चुनौती देने का दमखम अभी रूस-चीन-उत्तर कोरिया गुट के पास के पास नहीं है, खासकर अपने ऊपर आश्रित राष्ट्रों के लिए भी। ऐसा इसलिए कि जहां अमेरिका अपने मित्र नाटो देशों- इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान व ऑस्ट्रेलिया आदि को विश्वास में लेकर अपने इजरायल व यूक्रेन जैसे सहयोगियों के पक्ष निर्णायक फैसला करता रहता है, वहीं रूस-चीन-उत्तर कोरिया जैसे सीटो देश ऐन मौके पर सीरिया व ईरान जैसे अपने सहयोगियों पर आए आफत को दूर करने के लिए त्वरित एकजुटता प्रदर्शित करने और अपेक्षित सैन्य पलटवार शुरू करने के मुद्दे पर घबरा जाते हैं।

दूसरा, चीन-रूस-उत्तर कोरिया की कथनी व करनी में बहुत अंतर पाया जाता है। वहीं ये आपसी दांवपेंच में भी सटीक निर्णय नहीं ले पाते हैं। यही वजह है कि कभी अफगानिस्तान, कभी सीरिया और कभी ईरान जैसे मुल्क इनके हाथों से निकल जाते हैं और वहां पर पुन: अमेरिका का दबदबा बढ़ जाता है। अपने देखा होगा कि जब इजरायल-ईरान युद्ध में मिसाइल हमलों में ईरान ने इजरायल पर बढ़त ले ली और इजरायल के एयर डिफेंस सिस्टम में भी सुराग लगा दिया तो अचानक अमेरिका उसके पक्ष में उतरा और ईरान के फोर्दो, नतांज और इस्फहान स्थित न्यूकलियर साइटों को निशाना बना लिया। तीसरा, इस अमेरिकी हमले का एक खास मकसद था, जिसे उसके अलावा कोई अन्य नाटो देश इसे कदापि पूरा नहीं कर सकता था। उल्लेखनीय है कि फोर्दो न्यूकलियर साइट इसमें बेहद महत्वपूर्ण है जो तेहरान के दक्षिण में एक पहाड़ के नीचे स्थित है और बेहद गहराई पर बना है। इसे इंग्लिश चैनल टनल से भी गहरा माना जाता है। यही वजह है कि अमेरिका ने अपने हमले में जीबीयू -57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर नामक भारी बम का इस्तेमाल किया, जो 13,000 किलोग्राम वजनी होता है और 61 मीटर मिट्टी या 18 मीटर कंक्रीट को भेद सकता है, लेकिन इससे इस केंद्र को कितना नुकसान पहुंचा, कुछ समय बाद पता चलेगा। जब सही आंकड़े व फोटो ईरान सरकार द्वारा जारी किए जाएंगे।

चतुर्थ, अमेरिकी हमले के प्रभाव की पूरी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। लेकिन इतना तो कहा ही जा सकता है कि निश्चित तौर पर ईरान को पिछले कई सालों से अपने न्यूकलियर रिसर्च सेंटरों पर हमले की आशंका थी, जो इस बार पूरी हो गई। इसलिए ईरान ने अपनी गुप्त रणनीति के अनुरूप कोई वैकल्पिक व्यवस्था जरूर की होगी, जैसा कि एक अन्य इस्लामिक देश पाकिस्तान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम के अधीन पाकिस्तानी हुक्मरानों के इशारे पर कर रखा है। यही वजह है कि खुद ईरानी अधिकारियों ने दावा किया है कि न्यूकलियर साइटों को पहले ही खाली कर दिया गया था और जरूरी परमाणु रिसर्च उपकरण को हटा दिया गया था। यदि ऐसा है तो यह अमेरिका-इजरायल के लिए किसी दु:स्वप्न जैसा है।

पंचम, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि परमाणु साइटें पूरी तरह से नष्ट कर दी गई हैं, लेकिन कई पूर्व अमेरिकी राजनयिकों का मानना है कि यह कहना अभी जल्दबाज़ी होगा कि, इरानी न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर पूरी तरह से नष्ट या खत्म हो गए हैं। हो सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल को संतुष्ट करने के लिए, या महज दिखावे के लिए न्यूक्लियर रिसर्च सेंटरों पर हमला किया हो, क्योंकि ट्रंप व्यापारी है, व्यापार उनकी प्राथमिकता है, और अमेरिका को पूर्ण युद्ध में वो शायद नहीं शामिल करना चाहते है। यही वजह है कि ईरान प्रशासन को उन्होंने पहले ही आगाह कर दिया था कि वह उनके परमाणु ठिकाने पर हमला करेंगे। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति पर इजरायल पब्लिक अफेयर्स कमेटी और यहूदी काउंसिल फॉर पब्लिक अफेर्यस का दबाव है, जो रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों को फंड करती है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था वहां के 2 प्रतिशत यहूदियों के इशारे पर ही कुलांचें मारती फिरती है।

छठा, वैसे तो ईरान को न्यूक्लियर रिसर्च सेंटरों पर हमले की संभावना लंबे समय से व्यक्त की जा रही थी, इसलिए जरूरी न्यूक्लियर रिसर्च उपकरणों को बचाने का वैकल्पिक इंतजाम ईरान ने पहले ही कर रखा होगा। बता दें कि ईरान की तरह पाकिस्तान भी अपने न्यूक्लियर सेंटर्स पर हमले की आशंका व्यक्त करता रहा है। पाकिस्तान का स्ट्रैटजिक प्लान डिविजन जो नेशनल कमांड अथॉरिटी का सचिवालय है, अपने जरूरी न्यूक्लियर रिसर्च उपकरणों के लिए लगभग 15 गोपनीय स्थान बना रखे हैं, जहां समय-समय पर इसे रखा जाता है।

सातवां, यूँ तो पाकिस्तान ने भी लगातार यही आशंका प्रकट की है कि अमेरिका, भारत या इज़राइल उसकी परमाणु क्षमताओं को नष्ट करने की कोशिश कर सकते हैं। बता दें कि 1980 और 1990 के दशक में पाकिस्तान ने कई बार अपने परमाणु रिसर्च केंद्रों पर हमले की संभावना जतायी। जबकि मौजूदा दौर में ईरान भी वैसी ही मनोदशा से गुजर रहा है। गौरतलब है कि 1982 में इज़राइल द्वारा इराक के ओसिराक रिएक्टर पर हमले के बाद, पाकिस्तान को आशंका हुई कि भारत भी पाकिस्तान के परमाणु केंद्रों पर हमला कर सकता है। पाकिस्तान के तत्कालीन शासक जनरल जिया उल हक ने खुले तौर पर स्वीकार किया था कि भारत पाकिस्तान पर ओसिराक रिएक्टर पर हुए इजरायली अटैक की तरह हमला कर सकता है। उस समय भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थी।

आठवां, वर्ष 1984 में पाकिस्तानी अधिकारियों ने कनैडियन और यूरोपियन इंटेजिलेंस एजेंसियों की रिपोर्ट के हवाले से यह आशंका व्यक्त की थी कि इज़राइल पाकिस्तान के काहुटा न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर पर हमले की योजना बना रहा है। इसके लिए इजरायल, भारत और तत्कालीन सोवियत संघ (अब रूस) की मदद ले सकता है। वहीं, 1985 में फिर से पाकिस्तान ने काहुटा पर भारत द्वारा संभावित हमले की आशंका जताई। उस समय भी जिया पाकिस्तान के शासक थे, जबकि मिस्टर क्लीन के नाम से मशहूर राजीव गाँधी भारत के प्रधानमंत्री थे। वहीं, साल 1998 में भारत ने जब परमाणु परीक्षण किया तो पाकिस्तान ने फिर कहा कि उसके परमाणु केंद्रों पर हमला हो सकता है। उस समय नवाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे और अटल बिहारी वाजपेयी भारत के प्रधानमंत्री थे। नवम, ईरान पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्र को संबोधित किया और ईरान और इजरायल के युद्ध पर खुलकर बात की। इस दौरान ट्रंप ने ईरान को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि अगर ईरान में शांति नहीं हुई तो फिर विनाश तय है।

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चिंतता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है।

ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषत: तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया

की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है। ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डोनाल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। इन हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भले ही ईरान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दिया जाये, लेकिन ईरान के उस तकनीकी ज्ञान को कैसे खत्म किया जा सकता है, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ही ले जायेगा। ऐसे में अमेरिका या इजराइल के हमलों से ईरान में आमूल-चूल परिवर्तन होना संभव प्रतीत नहीं होता। हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ है, भीतर-ही-भीतर आक्रोश है, इसे आंदोलन का रूप देकर ईरान में सत्ता परिवर्तन का माहौल बनाना चाहिए। यही ईरान के लिये बेहतरी का रास्ता है, क्योंकि परमाणु हथियार बनाने की जिद्द में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। इराक, लीबिया, सीरिया- कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने के प्रयास किये, लेकिन इनमें से कहीं भी नतीजा मन-मुताबिक एवं सफल-सार्थक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। ऐसी स्थितियों में कैसे बदलाव की आशा की जा सकती है?

अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं। इजराइल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद ही होगी। दोनों देशों की जिद्द एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का रास्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है। क्योंकि उसने अपने परमाणु-शक्ति के अपने प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा कि ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों एवं आतंकवादियों को पोषित करता आया है।

ई-ऑफिस ऑनबोर्डिंग हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य शासन द्वारा डिजिटल कार्य प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ई-ऑफिस ऑनबोर्डिंग हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर डी. राहुल वेंकट उपस्थित रहे। उन्होंने समस्त कर्मचारियों को ध्यान से प्रशिक्षण को आत्मसात करने को कहा क्योंकि आने वाले भविष्य में सभी विभागों की फाइल अब पेपरलेस और ई-ऑफिस के माध्यम से ही संचालित होंगी। इस प्रशिक्षण में जिले के समस्त विभागों से नामांकित प्रत्येक विभाग के दो-दो अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया अंतिम चरण में हैं। जिले में शासकीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में ई-ऑफिस प्रणाली का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी तारतम्यता में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ई-ऑफिस के कार्यप्रणाली, उपयोगिता और तकनीकी पहलुओं पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें मास्टर प्रीतम साहू एवं निखिल साहू ट्रेनर्स के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने प्रशिक्षण सत्र के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को फाइल प्रबंधन, ई-नोटिंग, ई-डिस्पैच, पत्राचार की प्रक्रिया, दस्तावेजों की डिजिटल ट्रैकिंग, यूजर एक्सेस कंट्रोल और कार्य प्रवाह प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ उन्होंने लाइव डेमो के माध्यम से समझाया कि, किस प्रकार से ई-ऑफिस का उपयोग दैनिक कार्यों में किया जा सकता हैं। साथ ही, प्रशिक्षण में ई-ऑफिस से जुड़ी सभी कार्यप्रणालियों का एवीएम (ऑडियो-वीडियो मटेरियल) के माध्यम से प्रदर्शन भी किया गया। प्रशिक्षण के दौरान यह भी उल्लेख किया गया कि मंत्रालय स्तर पर सभी विभागों में ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और जिला स्तर पर भी शीघ्र ही समस्त विभागों को इस प्रणाली के अंतर्गत लाया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डिजिटल प्रक्रिया के अनुरूप दक्ष बनाना और शासन की पारदर्शी, समयबद्ध एवं पेपरलेस प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करना है।

रीवा/सतना की खबरें

रीवा निगम आयुक्त की टीएल बैठक में सख्ती, अवैध कॉलोनियों और जन समस्याओं पर कड़े निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा **(निप्र)।** नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने निगम सभागार में आयोजित टीएल बैठक में लंबित पत्रों, अवैध कॉलोनियों, जल गंगा संवर्धन, माई रीवा नागरिक ऐप और सामाजिक मीडिया शिकायतों की समीक्षा की। आयुक्त ने सार्इं मंदिर के पास भिक्षावृत्ति करने वालों का सर्वे कर सूची तैयार करने, परिवार और निवास वाले व्यक्तियों को वहां भेजने, तथा सामाजिक न्याय और राजस्व विभाग के समन्वय से कार्रवाई के निर्देश दिए। सार्वजनिक संपत्ति के दुरुपयोग, अवैध दीवार लेखन और बिलबोर्ड लगाने वालों पर बाहरी विज्ञापन नियमों के तहत सख्त कार्रवाई का आदेश दिया। वार्ड 15 में मुक्तिधाम योजना और जोन कार्यालय का योजना तैयार करने के निर्देश दिए। नालियों की उचित कनेक्टिविटी और जलभराव की समस्या पर अन्य निर्माण एजेंसियों के साथ समन्वय कर निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। आवारा पशुओं पर अभियान चलाकर कार्रवाई और पशु छोड़ने वालों के खिलाफ जब्ती के आदेश दिए। सब्जी मंडी की अव्यवस्था के लिए छोटे दुकानदारों के लिए जोनवार स्थान चिह्नित करने की योजना बनाने को कहा। नालों पर अतिक्रमण के लिए सीमांकन कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। वर्षा ऋतु में गिरने की स्थिति में आए पेड़ों और जर्जर भवनों को चिह्नित कर हटाने का आदेश दिया। अवैध कॉलोनियों की समीक्षा में 2016 से पहले की कॉलोनियों में दावा-आपत्ति के बाद वसूली और चिह्नित कॉलोनियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के निर्देश दिए। जोन 3 में एफआईआर न होने पर कार्यपालन यंत्री और सहायक यंत्री को नोटिस जारी करने को कहा। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि कोई भी अवैध कॉलोनी छूटनी नहीं चाहिए और लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। एक माह से अधिक लंबित टीएल पत्रों पर संबंधित कर्मचारी की एक वेतनवृद्धि रोकने का निर्देश दिया। बैठक में कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, एच. के. त्रिपाठी, उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, एम. एस. सिद्दीकी, सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी, शीतल भलावी, सहायक यंत्री एस. के. गर्ग, अम्बरीष सिंह, राजेश मिश्रा, पी. एन. शुक्ला, अभिनव चतुर्वेदी, स्वास्थ्य अधिकारी मुरारी कुमार, सहायक राजस्व अधिकारी रावेंद्र सिंह, नीलेश चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में सूटकेस में मिला युवक का शव, सीमेंट डालकर बड़ी पेटी में छिपाया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में डीडी नगर थाना क्षेत्र की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में एक सुनसान जगह पर बड़ी पेटी में सूटकेस के अंदर युवक का शव मिला। शव को मोड़कर सूटकेस में डाला गया था, जिसके पैर बंधे थे और उस पर सीमेंट डालकर छिपाया गया था। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

सोमवार को वंडरलैंड जल पार्क के पास संदिग्ध पेटी देखकर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सूटकेस खोला तो शव बरामद हुआ। घटना से कॉलोनी में दहशत का माहौल है और लोग गश्त बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि सूटकेस कब और किसने रखा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और हत्या के हर पहलू से जांच जारी है।

पूर्व कांग्रेस विधायक विकास उपाध्याय ने घटनास्थल का दौरा कर कहा कि प्रदेश में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने कहा, "गृहमंत्री बड़े दावे करते हैं, लेकिन कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं है।"

रतनपुर पंचायत में शिविर आयोजित, घर-घर जाकर दी गई योजनाओं की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने और उनके लाभ से वंचित पात्र हितग्राहियों को जोड़ने के उद्देश्य से कलेक्टर डी. राहुल वेंकट द्वारा जिले में एक अभिनव पहल की गई है। इसके तहत प्रत्येक विकासखंड की पांच ग्राम पंचायतों का चयन कर वहां शासन की योजनाओं के सेचूरेशन का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड खड़गवां के अंतर्गत चयनित ग्राम पंचायत रतनपुर में आज विभागीय टीम के साथ विशेष ग्राम स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व खड़गवां के अनुविभागीय दंडाधिकारी प्रितेश सिंह राजपूत ने किया। इस दौरान तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ, बीएमओ (स्वास्थ्य), सीओ (आदिवासी विकास), महिला एवं बाल विकास अधिकारी, विद्युत विभाग के जेई, कृषि विस्तार अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सुबह 10 बजे से ही अधिकारीगण पारे-मोहल्लों में पैदल भ्रमण करते हुए ग्रामीणों के घर-घर पहुंचे और उन्हें सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, वृद्धा एवं विधवा पेंशन, मनरेगा जॉब कार्ड, भूमि बंटवारा, नामांतरण, सीमांकन, वन अधिकार पट्टा, जाति-निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान भारत कार्ड, आधार कार्ड, विद्युत कनेक्शन और बिजली के सुरक्षित उपयोग से संबंधित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं को पोषण युक्त आहार, आंगनबाड़ी के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण पोषण आहार वितरण, बच्चों के टीकाकरण और महिला स्वास्थ्य विषयों पर भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। शिविर के दौरान प्राप्त जनसमस्याओं का मौके पर ही समाधान करने हेतु संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देश भी दिए गए। गौरतलब है कि खड़गवां विकासखंड के जिन पांच ग्राम पंचायतों का चयन इस विशेष पहल के तहत किया गया है, उनमें रतनपुर, बोड़ेमुड़ा, कदरेवा, नेवरी और फुनगा शामिल हैं। इस प्रयास का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित कराना है। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए प्रशासन का आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि ऐसे प्रयासों से उनकी समस्याएं और जरूरतें समय पर पूरी होंगी।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस पर रीवा में भाजपा की विचार गोष्ठी, वृक्षारोपण और पुष्पांजलि

मीडिया ऑडीटर, रीवा **(निप्र)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर रीवा जिले के सभी मतदान केंद्रों पर वृक्षारोपण और संभागीय कार्यालय अटल कुंज में विचार गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी में पुष्पांजलि अर्पित कर वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के बलिदान के बिना जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग न होता। उनका धारा 370 हटाने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा किया। उन्होंने आजाद भारत में तिरंगा फहराने के लिए बलिदान दिया। डॉ. मुखर्जी राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे, जिन्होंने जनसंघ की स्थापना कर राष्ट्रप्रेम को जन-जन तक पहुंचाया। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का साहस और बलिदान अविस्मरणीय है। नेहरू सरकार द्वारा लागू धारा 370 ने कश्मीर को अलग संविधान और ध्वज दिया, जिसका डॉ. मुखर्जी ने विरोध किया। इसके चलते उन्हें जेल में डाल दिया गया, जहां संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हुई। उनके जनसंघ से शुरू हुआ सफर आज विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल भाजपा के रूप में है। धारा 370 हटाकर मोदी सरकार ने उनके संकल्प को साकार किया। वरिष्ठ नेता कमलेश्वर सिंह ने कहा कि डॉ. मुखर्जी केवल राजनेता नहीं, बल्कि विचारक और शिक्षाविद् भी थे। उनकी राष्ट्रभक्ति और त्याग से प्रेरित होकर भाजपा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लेती है। प्रदेश मंत्री राजेश पांडे ने उन्हें राष्ट्रभक्ति और दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताया। विधायक नरेंद्र प्रजापति ने कहा कि अंत्योदय के विचार और डॉ. मुखर्जी के बलिदान ने भाजपा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। पूर्व विधायक के. पी. त्रिपाठी, श्यामलाल द्विवेदी, अजय सिंह, पंचू लाल प्रजापति और डॉ. अनिल पटेल ने भी गोष्ठी को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन विवेक गौतम ने किया और आभार तुलसीदास कोल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में रावेंद्र मिश्रा, रमेश गर्ग, माया सिंह, कल्पना श्रीवास्तव, साधना गुप्ता, डॉ. मुजीब खान, नारायण मिश्रा, राजगोपाल चारी, उमाशंकर पटेल, विभा पटेल, तिवारी लाल, कमल सोनी, विकास तिवारी, राजेश यादव, राजेंद्र त्रिपाठी, दयानंद तिवारी, रामराज सिंह पटेल, बुद्धसेन नापित, वासुदेव पांडे, जीवन लाल शाह, के. सिया शरण साकेत, रविराज विश्वकर्मा, प्रमाण सिंह, जय प्रताप सिंह, मनीष पाठक, ममता गुप्ता, प्रकाश सोनी, योगेंद्र शुक्ला, बृजेंद्र गौतम, डॉ. नितिन चतुर्वेदी, मोहम्मद इस्लाम, शाहिद सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जशपुर में मां और 2 बच्चों को नदी किनारे दफनाया, फिर नशे में खुद गांव वालों को बताकर भागा युवक

प्रेम-प्रसंग की आशंका

मीडिया ऑडीटर, जशपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में महिला और उसके दो बच्चों के शव रेत में दफन मिले हैं। आशंका है कि पारिवारिक विवाद या अवैध संबंध के चलते हत्या की गई है। गांव के ही युवक ने तीनों की मर्डर करने की बात कबूल की है, लेकिन अब वो फरार है।

जानकारी के मुताबिक, मरने वालों की पहचान सुभद्रा बाई (36), बेटी (11) और बेटा (06) के रूप में हुई , जो कि साजबहार गांव के रहने वाले थे। पुलिस ने तीनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामला तपकरा थाना इलाके के उतियाल नदी किनारे का है।

दरअसल, घटना का खुलासा तब हुआ, जब गांव के प्रमोद गिद्धी ने शराब के नशे में लोगों को बताया कि, उसने एक महिला और उसके दो बच्चों की हत्या कर शवों को नदी किनारे दफना दिया है। ग्रामीणों ने इस जानकारी को पुलिस तक पहुंचाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर खुदाई की। दो बच्चों के शव नदी किनारे रेत में दबे मिले। महिला का शव थोड़ी दूर जंगल में बरामद हुआ।

एसएसपी शशि मोहन सिंह के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला लगता है। आरोपी प्रमोद गिद्धी ने ग्रामीणों के सामने अपना जुर्म कबूल किया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मौके से सबूत जुटाए जा रहे हैं। आरोपी फरार है। पुलिस की टीमें संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, महिला और आरोपी के बीच प्रेम संबंध की बात भी सामने आ रही है। आशंका है कि पारिवारिक विवाद या अवैध संबंधों के चलते आरोपी ने यह जघन्य वारदात अंजाम दिया गया है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजवा दिया है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है।

आईटीआई -जनकपुर, मनेंद्रगढ़, चिरमिरी एवं खड़गवां में ऑनलाईन प्रवेश की अंतिम तिथि 25 जून

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण, नवा रायपुर अटल नगर छत्तीसगढ़ के अंतर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिये ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया 16 जून 2025 से प्रारंभ की गई है। इच्छुक अभ्यार्थी 25 जून 2025 रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकते है। आवेदन केवल वेबसाईट के माध्यम से ही किये जा सकेंगें। विस्तृत जानकारी के लिये (एमसीबी जिले में संचालित आईटीआई -जनकपुर, मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, खड़गवां) या निकटमत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के सूचनापटल का अवलोकन किया जा सकता है। संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण, नवा रायपुर अटल नगर छत्तीसगढ़ द्वारा यह प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाईन रखी गई है। प्रवेश से संबंधित सभी दिशा-निर्देश और नियम वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश विवरणिका में दिये गये है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि आवेदन करने से पहले विवरणिका को ध्यानपूर्वक पढ़े ताकि किसी प्रकार की गलती न हो। प्रवेश से संबंधित आवश्यक जानकारी या सहायता के लिये आवेदक निकटतम औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में संपर्क कर मार्गदर्शन ले सकते है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार एवं आयोग द्वारा जारी मैनुअल इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वीवीपैटस् के अनुसार जिला अंतर्गत ईवीएम एवं वीवीपैट वेयर हाउस का प्रत्येक तिमाही में निरीक्षण किया जाना है।

उसी के परिपालन में आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संयुक्त भवन स्थित स्ट्रांग रूम में रखे गए ईवीएम व वीवीपैट मशीनों का त्रैमासिक निरीक्षण किया। कलेक्टर एवं राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों ने ईवीएम व वीवीपैट मशीनों का बारीकी से अवलोकन किया। सभी मशीनें स्ट्रांग रूम में सुरक्षित पाए गए। निरीक्षण के पश्चात स्ट्रांग रूम को सील बंद किया गया।

इस दौरान राजनीतिक दल भाजपा से आशीष कुमार मजूमदार, आनंद ताम्रकार, आम आदमी पार्टी से विशेष सोनी, कांग्रेस से भावेश जैन, निर्वाचन सुपरवाइजर सतीश द्विवेदी, प्रोग्रामर उपेंद्र सिंह, नितेश कुमार उपस्थित रहे।

मऊगंज में मनाया गया डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज **(निप्र)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मऊगंज के सभी मतदान केंद्रों पर वृक्षारोपण के साथ डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस को श्रद्धापूर्वक मनाया। जिला अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मिश्रा ने खटखरी मंडल के बूथ क्रमांक 197 में कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थित होकर डॉ. मुखर्जी को याद किया। डॉ. मिश्रा ने कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए आंदोलन किया, जिसके कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया और वहां उनकी हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनी, लेकिन बहुमत न होने के कारण धारा 370 नहीं हटाई जा सकी। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धारा 370 को हटाने पर संसद में विपक्षी दलों ने देश के टूटने और कश्मीर में अशांति की आशंका जताई थी, लेकिन मोदी सरकार ने इसे हटाकर डॉ. मुखर्जी के संकल्प को पूरा किया। डॉ. मिश्रा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमें गर्व है कि हम उस भाजपा के हिस्सा हैं, जिसने डॉ. मुखर्जी के सपने को साकार किया।

पहलगाम हमला- गिरफ्तार आरोपियों ने एक आतंकी पहचाना

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम हमले के तीन आतंकियों में से एक की पहचान हो गई है। रविवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी की गिरफ्त में आए दो आरोपियों ने बताया है कि हमला करने वाले तीन आतंकियों में से एक का नाम सुलेमान शाह है। बाकी दो पाकिस्तानी आतंकियों के नामों का खुलासा फिलहाल नहीं किया गया है। सुलेमान भी उसी आतंकी नेटवर्क का हिस्सा है, जिसमें वे आतंकी शामिल थे, जिनकी तस्वीर पहलगाम हमले के बाद सामने आई थी। इन आतंकियों में हाशिम मूसा, तल्हा भाई और जुनैद थे। हालांकि जुनैद पिछले साल ही एनकाउंटर में मार दिया गया था।जुनैद के मोबाइल फोन में ही इन आतंकियों के फोटो मिले थे। उस फोटो में सुलेमान शाह की फोटो भी है, जिसे कई पीड़ित परिवारों ने पहचान भी लिया है। पहलगाम हमले के दो महीने बाद रविवार को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया था। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी।

एअर इंडिया की जयपुर-दुबई फ्लाइट के कॉकपिट में खराबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया और दूसरी एयरलाइंस की फ्लाइट्स में तकनीकी खामी आने और अन्य वजहों से कैंसिल होने का सिलसिला जारी है। सोमवार को एअर इंडिया एक्सप्रेस की दो फ्लाइट और इंडिगो की एक फ्लाइट को रद्द करना पड़ा। इनके अलावा, रविवार को एअर इंडिया की तीन फ्लाइट्स कैंसिल की गई थीं। सोमवार को एअर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर से दुबई की फ्लाइट में टेक ऑफ से ठीक पहले कॉकपिट में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद रनवे एरिया से पायलट ने फ्लाइट को फिर से एप्रन में पहुंचाया। इसमें 130 पैसेंजर्स सवार थे। 5 घंटे तक फ्लाइट को ठीक करने की कोशिश की गई। फिर भी सफलता नहीं मिली। इसके बाद दुबई की इस फ्लाइट को रद्द करने का फैसला लिया गया।

इंडिगो के 3 अफसरों पर एससी/एसटी एक्ट का केस

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में इंडिगो एअरलाइंस के एक ट्रेनी पायलट ने फ्लाइट के कैप्टन समेत 3 लोगों पर एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। ट्रेनी पायलट ने आरोप लगाया कि उसे भरी मीटिंग में बेइज्जत कर जातिसूचक शब्द कहे गए। जातिसूचक शब्द के साथ कहा गया- यू आर नॉट फिट टू फ्लाई, यू गो बैक एंड स्टिच द स्लीपर्स (तुम प्लेन उड़ाने के काबिल नहीं हो, वापस जाओ और चप्पलें सिलो) ।गुरुग्राम में मीटिंग के बाद ट्रेनी पायलट ने बेंगलुरु में अपने साथ हुई घटना की पुलिस से शिकायत की।

मुयमंत्री ने डॉ. मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ. मुखर्जी की भाजपा कार्यालय के निकट स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्र के नवनिर्माण में उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे अनेक महापुरुष हुए, जिन्होंने कभी पद की लालसा नहीं रखी और देश की एकता एवं अखंडता के लिए कार्य किया। राष्ट्रीय एकता को समर्पित डॉ. मुखर्जी ने नारा दिया था कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे। उन्होंने देश को आंदोलित करते हुए स्वयं का बलिदान कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उनके प्रतिमा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर

रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महान शिक्षाविद् और हमारे मार्गदर्शक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने पहली बार यह अहसास कराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, देश का मोर मुकुट है। डॉ. मुखर्जी युवाकाल में कुलपति बने और उन्होंने बंगाल के कई आंदोलनों में भाग लेकर नागरिकों को बताया कि देश के विकास में हमारा योगदान किस प्रकार का होना चाहिए। डॉ. मुखर्जी जब केंद्र में आपूर्ति एवं कपड़ा मंत्री बने तो उनका हर निर्णय सराहनीय रहा। मां भारती की सेवा, लोक-कल्याण और कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए उनका मार्गदर्शन भारत के निर्माण का आधार है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को धारा 370 से मुक्ति दिलाई और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पड़ोसी देश को स्पष्ट संदेश दिया। भारत सरकार के इस फैसले के साथ देश में हर वर्ग का व्यक्ति खड़ा था। कश्मीर में 1947 में ही विकास के द्वार खुल जाने चाहिए थे। अब प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रेलवे नेटवर्क, पर्यटन और धार्मिक पर्यटन सहित अनेक क्षेत्रों में जम्मू-कश्मीर की समृद्धि के लिए कार्य किए हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ सांसद श्री वी.डी. शर्मा, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, समाजसेवी श्री हितानंद शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सुरेश पचौरी, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, सर्वश्री रवींद्र यति, राहुल कोठारी सहित जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन पर एफआईआर

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ हिट एंड रन मामले में एफआईआर दर्ज हो गई है। यह जानकारी गुंटूर जिले के एसपी एस सतीश कुमार ने रविवार देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसपी ने बताया कि पूर्व सीएम की कार ने 5 दिन पहले रोड शो के दौरान 53 साल के व्यक्ति को कुचल दिया था। अस्पताल ले जाते वक्त उनकी मौत हो गई। मृतक का नाम चीली सिंघैया है। वह जगन की पार्टी वॉयएसआरसीपी के कार्यकर्ता थे।

4 राज्यों के 5 विधानसभा उपचुनाव,गुजरात के विसावदर, पंजाब के लुधियाना में आप जीती

गांधीनगर (एजेंसी)। चार राज्यों की 5 विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का रिजल्ट आ चुका है। गुजरात की कडी सीट से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र चावड़ा जीते। उन्होंने कांग्रेस के रमेश चावड़ा को हराया। विसावदर पर आप के गोपाल इटालिया जीते। भाजपा के कीर्ति पटेल दूसरे नंबर पर रहे।

केरल में यूडीएफ उम्मीदवार कांग्रेस के आर्यदन शौकत को जीत मिली। उन्होंने सीपीआईएम के एम.स्वराज को हराया। पंजाब की लुधियाना वेस्ट आप के खाते में आई, यहां संजीव अरोड़ा जीते। कांग्रेस के भारत भूषण आसु दूसरे नंबर पर रहे। पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर टीएमसी प्रत्याशी अलिफा अहमद जीतीं। उन्होंने भाजपा के आशीष घोष को हराया।

इन सभी पांचों सीटों पर 19 जून को वोटिंग हुई थी। वहीं, कालीगंज सीट के लिए जारी काउंटिंग के बीच कृष्णानगर थाना क्षेत्र के बाराचंदगर इलाके में एक विस्फोट हुआ। घटना में 9 साल की बच्ची की मौत हो गई। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बच्ची की मौत पर दुख जताया।

बिलावल ने इजराइली हमलों की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने सोमवार को नेशनल असेंबली सत्र के दौरान भारत पर निशाना साधा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की। पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक बिलावल ने कहा कि जिस तरह भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया था, उसी तरह इजराइल ने ईरान पर अटैक किया है। उन्होंने भारत के साथ 7 से 10 मई तक हुए सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान की जीत का दावा किया। दरअसल, भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 6-7 मई को हवाई हमला किया था। इसके अलावा बिलावल ने भारत के सिंधु जल संधि को निलंबित करने को अवैध करार दिया और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया।

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की न्यायिक हिरासत 14 दिन और बढ़ी

हिसार (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यू-ट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की आज हिसार कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई। कोर्ट ने सुनवाई के बाद ज्योति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब मामले की अगली सुनवाई 7 जुलाई को होगी। ज्योति को 16 मई को हिसार पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद वह 9 दिन तक पुलिस रिमांड पर रही।

फिर 23 मई को कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजा था। इससे पहले उसकी बेल याचिका निचली अदालत ने खारिज कर दी थी। ज्योति पर पाकिस्तान के एजेंटों से संपर्क में रहकर संवेदनशील जानकारियां साझा करने का आरोप है। पुलिस की शुरुआती जांच में उसकी पाक एजेंटों से बातचीत सामने आई थी, जिसके बाद भारतीय खुफिया एजेंसियों ने भी उससे पूछताछ की थी।

ज्योति के वकील कुमार मुकेश का कहना है कि वे अब सेशन कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल करेंगे और कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

11 राज्यों में ब्लास्ट की धमकियां भेजने वाली लड़की अरेस्ट

अहमदाबाद (एजेंसी)। देश भर में कई जगह बम धमाकों की धमकियां देने वाली महिला को चेन्नई से अरेस्ट किया है। अहमदाबाद साइबर क्राइम यूनिट ने बताया कि महिला ने अपने प्रेमी को फंसाने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों में बम धमकी वाले ईमेल भेजे थे। इन मेल में गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ब्लास्ट की धमकी भी शामिल थी। प्रेमी को फंसाने के लिए रची थी साजिश

चेन्नई की रहने वाली रेनी जोशील्डा रोबोटिक्स में ग्रेजुएट है और डेलॉइट में सीनियर कंसल्टेंट के तौर पर काम करती है। रेनी अपने ऑफिस में काम करने वाले एक युवक से एकतरफा प्रेम करती थी। लेकिन, वह युवक किसी और लड़की से प्रेम करता था। इसी साल युवक ने उस लड़की से शादी कर ली। इसी बात से बौखलाई रेनी ने उसे फंसाने के लिए इस साजिश को अंजाम दिया।

तेजप्रताप बोले- मेरी जान को खतरा है

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मंत्री और लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने अपनी जान का खतरा बताया है। उन्होंने एक बार फिर कहा कि साजिश के तहत मुझे पार्टी से निकाला गया है। सोमवार को बात करते हुए तेजप्रताप ने कहा- लोगों ने मेरी निजी जिंदगी को लेकर उंगली उठाई, जिसे कोई बर्दाश्त नहीं करेगा। अगर लोग ज्यादा हम पर दबाव डालेंगे, तो हम कोर्ट का सहारा लेंगे। आरजेडी और यादव परिवार से निकाले जाने पर तेजप्रताप यादव ने कहा- मैं डरने वालों में से नहीं हूं। मैं मुकाबला करूंगा। मैं उन 4-5 लोगों के नाम उजागर करूंगा, जिन्होंने मेरे साथ ऐसा किया है। मैं कभी भी भटकूंगा नहीं। इसलिए हमें संगठन से, पार्टी से, परिवार से हर तरह से बेदखल कर दिया गया। मैंने कभी

किसी के लिए गलत नहीं सोचा, मैंने हमेशा अपने माता-पिता का सम्मान किया है। एक बड़ा भाई छोटे को आशीर्वाद ही दे सकता है। तेजस्वी मुख्यमंत्री बनें। आगे बढ़ने के लिए मेरा पूरा समर्थन और आशीर्वाद रहेगा। ये चुनावी साल है, तेजस्वी 2025 में मुख्यमंत्री बन जाएंगे।

भारत में सस्ते दामों पर मक्का-सोयाबीन बेचने पर अड़ा अमेरिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच होने वाली ट्रेड डील, कृषि उत्पादों पर इम्पोर्ट ड्यूटी के चलते बीच में अटक गई है। ट्रेड डील के लिए अमेरिका अपने जेनेटिकली मॉडिफाइड फूड जैसे मक्का और सोयाबीन पर इम्पोर्ट ड्यूटी घटाने की मांग कर रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका चाहता है कि ये प्रोडक्ट भारत में सस्ते बिकें। वहीं भारत सरकार किसानों को नुकसान से बचाने के लिए इम्पोर्ट ड्यूटी नहीं घटाना चाहती। भारतीय अधिकारियों का मानना है कि अगर अमेरिका के सस्ते जीएम फूड भारत में आ जाएंगे, तो भारतीय किसानों की फसलें बिकना मुश्किल हो जाएगी। ऐसे में डील पर असमंजस बना हुआ है। 9 जुलाई की डेडलाइन से पहले इसका हल निकलना मुश्किल लग रहा है।

ऑपरेशन सिंधु- ईरान से 285 और नागरिक भारत पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक कुल 1,713 भारतीयों को निकाला गया है। मशहद से एक और प्लेन रविवार की रात 11:30 बजे 285 नागरिकों को लेकर नई दिल्ली पहुंचा। इससे पहले 21 जून को 600, 20 जून को 407 और 19 जून को 110 भारतीय दिल्ली पहुंचे थे। ईरान से दिल्ली पहुंचे इन यात्रियों ने एयरपोर्ट पर वन्दे मातरम् और भारत माता की जय के नारे

लगाए। कुछ लोग भावुक भी हुए। उनकी आंखों में आंसू आ गए। कुछ ने जमीन पर माथा टेका। दूसरी तरफ रविवार को 160 भारतीयों का जत्था इजराइल से निकाल लिया गया है, जो जॉर्डन पहुंच गया है। आज यह बैच दिल्ली पहुंचेगा। इजराइल में करीब 40 हजार भारतीय नागरिक हैं, जिनमें केयरगिवर, छात्र, मजदूर शामिल हैं। तहमीना- हमने दुआ की थी सुरक्षित लौटने की, सरकार ने वो पूरी कर दी। हमें इस दौरान बेहतरीन सुविधाएं मिलीं।

सूरत में 7 इंच बारिश, बाढ़ जैसे हालात, स्कूल बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 26 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। गुजरात के सूरत शहर में पिछले 24 घंटे से तेज बारिश हो रही है। सोमवार सुबह 8 बजे से 12 बजे तक चार घंटे में ही 7 इंच बारिश हुई। सूरत में रविवार शाम को मानसून की एंट्री हुई थी। इसके बाद हुई बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। जगह-जगह पानी भर गया है। सूरत प्रशासन से आज स्कूल की छुट्टी कर दी है। सूरत में पहले दिन की बारिश ने 2006 में बाढ़ जैसे हालात की याद ताजा कर दी। साल 2006 में 7-10 अगस्त में हुई भारी बारिश से सूरत का करीब 80-95 प्रतिशत हिस्सा डूब गया था। इधर, मध्य प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और ट्रफ की मौजूदगी से अगले 4 दिन तक बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव रहेगा, इससे भारी बारिश होगी।

ईरान में फंसा भोपाल का युवक, लौटने से इनकार

भोपाल (एजेंसी)। मेरा बेटा कहता है, इतने सालों से ईरान का नमक खाया है। अब जंग के बीच वहां से चला आया तो लोग कहेंगे की डर के भाग गया। इसलिए अब पढ़ाई पूरी करने के बाद ही भारत वापस लौटूंगा। 30 वर्षीय अबरार की मां शाहनूर (50) जब ये कह रही थीं तो उनके चेहरे पर चिंता और गर्व दोनों के भाव थे। अबरार और उसका परिवार भोपाल का रहने वाला है, लेकिन चार साल पहले पढ़ाई के लिए अबरार अपने परिवार से दूर ईरान चला गया।

वहां मासूमा कुम में वो मौलाना बनने की पढ़ाई कर रहा था कि तभी इजराइल-ईरान युद्ध शुरू हो गया। ऐसे में वहां रह रहे सभी भारतीय छात्र भारत लौटने के लिए बेताब थे, लेकिन अबरार ने वापस लौटने से इनकार कर दिया।

वहीं, दूसरी ओर भोपाल की ही गुलअफशां की कहानी अलग है। वह भी ईरान-इजराइल युद्ध के कारण ईरान में हैं। वो भारत आना चाहती हैं, लेकिन युद्ध के कारण ये मुमकिन नहीं हो पा रहा।

टीम सबसे पहले भोपाल में अबरार के घर पहुंची। यहां पता चला कि अबरार बचपन से ही ईरान जाकर तालीम हासिल करना चाहता था। उसे ईरान और वहां के लोग हमेशा से बहुत पसंद थे। उसने मां से कहा, जब ईरान जीतेगा और उसकी पढ़ाई भी पूरी हो जाएगी, तभी भारत लौटेगा। भले ही इसमें खतरा हो, लेकिन वो कहता है कि जब उसका दिल चाहेगा तभी वापस आएगा।

अबरार के परिवार में माता- पिता, तीन भाई समेत उसकी पत्नी और बच्चे हैं। पिता की चश्मे की दुकान है। दो भाई नग का कारोबार करते हैं और एक ऑनलाइन सामान बेचता है।

उसकी मां से आखिरी बात 20 जून की शाम को फोन पर हुई थी। अबरार ने बताया, जंग तेजी से जारी है, लेकिन वहां के मौलाना उसे हिम्मत देते हैं। वो बिल्कुल ठीक है और डटा हुआ है। तब मां ने उसे कहा, 'अबरार मैं तुम्हारी मां हूं, तुम मुझसे पैदा हुए हो। अगर तुम इतनी हिम्मत कर रहे हो तो मैं भी हिम्मत रखूंगी। जब तक चाहो ईरान में रहो। जब मर्जी हो, वापस आ जाना। अभी मेरे बेटे की पढ़ाई को एक साल और बचा है।

खड़गे बोले-प्रधानमंत्री को इजराइल-ईरान जंग रोकने का प्रयास करना चाहिए, ईरान हमारा पुराना दोस्त

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री विश्व गुरु बनने का नारा लगाते हैं। जबकि दूसरी तरफ ईरान और इजराइल के बीच जंग हो रही है। हमें इसे रोकने का प्रयास करना चाहिए था। खड़गे ने कहा, चाहे आप (मोदी जी) विश्व गुरु हों या घर के गुरु। लोगों को पेट्रोल, डीजल, खाना, कपड़े और सिर पर छत चाहिए। हम चाहते थे कि वे इन चीजों के लिए प्रयास करें। खड़गे ने प्रधानमंत्री को याद दिलाया कि ईरान ने हमेशा भारत का समर्थन किया है क्योंकि देश अपनी ईंधन की जरूरत का 50 प्रतिशत हिस्सा ईरान से आयात करता है। कर्नाटक के रायचूर में सोमवार को जनसभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा- पीएम मोदी हमेशा विपक्ष को नीचा दिखाते हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद बुलाई गई सर्वदलीय बैठकों में पीएम गायब रहे। इससे साफ पता चलता है कि विपक्ष के लिए उनके मन में बिल्कुल भी सम्मान नहीं है। खड़गे ने कहा, आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 लोगों की हत्या कर दी। जवाब में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी ठिकानों पर हमले किए और आतंकवादियों को खत्म कर दिया। उस वक्त पूरा देश सेना के साथ खड़ा था, लेकिन ऐसे समय में भी कुछ लोग व्यक्तिगत श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे। खड़गे बोले- मोदी सेना में होते तो तारीफ करते खड़गे ने आगे कहा कि वे (मोदी) अगर सेना में कैप्टन, कर्नल या लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में काम करते, तो हम उनके बेहतरीन काम और देश के लिए लड़ने के लिए उनकी सराहना करते, लेकिन ऐसा नहीं है।

इसके बजाय, वह बिहार चुनाव के लिए प्रचार में व्यस्त थे। इसका क्या मतलब है? जब देश और सैनिक एक तरफ लड़ रहे थे, तो प्रधानमंत्री ने हमें सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित करने के बाद दूसरी तरफ प्रचार करना चुना। यह अनुचित है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर सवाल उठाए थे। उन्होंने 9 जून को कहा था कि बीते 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 33 गलतियां की हैं। मैं 65 साल से राजनीति में हूं, लेकिन उनके जैसा झूठ बोलने वाला प्रधानमंत्री कभी नहीं देखा।खड़गे ने कहा, हम झूठ बोलते हैं, गलतियां करते हैं, वोट लेने के लिए युवाओं और गरीबों को मूर्ख बनाते हैं। जब हम उनसे सवाल पूछते हैं तो कभी जवाब नहीं देते। वे अपनी गलतियां कभी स्वीकार नहीं करते हैं। वे सिर्फ बोलते रहते हैं।बता दें कि नरेंद्र मोदी ने 9 जून 2024 को प्रधानमंत्री के तौर पर अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। मोदी सरकार ने बीते सोमवार को अपने तीसरे कार्यकाल की पहली और कुल मिलाकर 11वीं सालगिरह मनाई।

संक्षिप्त समाचार

पीसीआई ने विश्व पैरा एथलेटिक स चैंपियनशिप के लिए कंगना को बनाया ब्रांड एबेसडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इसी साल 26 सितंबर से पांच अक्टूबर तक विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। इसमें 100 से अधिक देशों के एथलीट शामिल होंगे। इस चैंपियनशिप के लिए अभिनेत्री कंगना रनौत को ब्रांड एबेसडर नियुक्त किया गया है।' वहीं इससे उत्साहित कंगना ने भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) का धन्यवाद देते हुए कहा, ''भारत के पैरा एथलीट हर दिन क्या संभव है, इसे फिर से लिख रहे हैं। मैं उनका समर्थन करने और उनकी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करने के लिए बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। पैरा खेल केवल प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं है बल्कि यह साहस और जुनून के बारे में हैं और मुझे हमारे चैंपियन खिलाड़ियों के पीछे खड़े होने पर गर्व है।'' वहीं पीसीआई के अध्यक्ष और पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण विजेता रहे देवेंद्र झझारिया ने कंगना को चैंपियनशिप के लिए ब्रांड एबेसडर बनाये जाने पर कहा कि खिलाड़ियों के प्रति उनका जुनून, प्रभाव और प्रतिबद्धता उन्हें इस सम्मान के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है।

पीमियर लीग फुटबॉल सत्र 15 अगस्त से शुरु होगा

लंदन (एजेंसी)। पीमियर लीग फुटबॉल का 2025-26 सत्र 15 अगस्त से शुरु होगा। प्रीमियर लीग प्रबंधन ने इसकी घोषणा करते हुए कहा है कि पहले मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन लिवरपूल का मुकाबला एनफील्ड में बोर्नमाउथ से होगा। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड को ओल्ड ट्रैफर्ड में आर्सेनल का सामना करना होगा। एक अन्य मुकाबले में बोर्नमाउथ के खिलाफ़ शुरूआत के बाद लिवरपूल अपने खिताब को बचाने के प्रयास करेगा। वहीं दूसरे सप्ताह में न्यूकैसल से मुकाबले के बाद आर्सेनल के खिलाफ़ उसका एक घरेलू मुकाबला होगा। वहीं आर्सेनल को अपने पहले छह मैचों में मैनचेस्टर यूनाइटेड, लिवरपूल, मैनचेस्टर सिटी और न्यूकैसल से खेलना होगा। दूसरी ओर अपने सातवें लीग खिताब के लिए उतरने वाली मैनचेस्टर सिटी 16 अगस्त को अपने पहले मैच में वॉल्व्स के खिलाफ़ उतरेगी।

वुड ने की बुमराह की प्रशंसा सर्वश्रेठ गेंदबाज बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। वुड ने कहा कि बुमराह वर्तमान समय में विश्व के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। वुड के अनुसार वह तीनों प्रारुपों में काफी समान रुप से प्रभावी हैं। वुड फिट नहीं होने कारण अभी भारत- इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में शामिल नहीं हैं पर वह अंतिम मैच के लिए शामिल किये जा सकते हैं। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान चोटिल हो गये थे। बुमराह को लेकर वुड ने कहा, वह सभी प्रारूपों में एक असाधारण और बेहद खतरनाक गेंदबाज हैं। उसका सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए कठिन है। वह जितना दिखता है, उससे कहीं ज्यादा तेज गेंदबाजी करता है। अभी वह विश्व का सबसे अच्छा गेंदबाज है और किसी भी क्षण मैच का रुख बदल सकता है।

मध्य पूर्व संकट में बढ़ते तनाव से गिरा घरेलू शेयर बाजार

सेंसे स 600 अंक गिरकर 81,730 और नि टी 24,900 पर

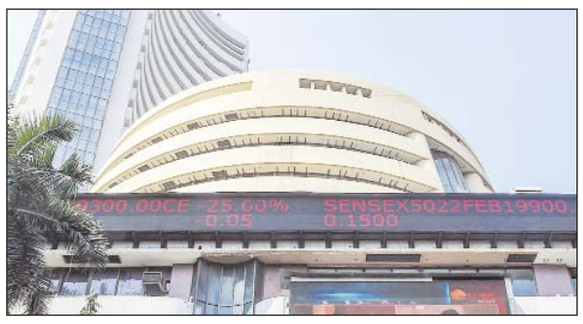

मुंबई (एजेंसी)। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव की वजह से कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को गिरावट के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में आईटी और ऑटो सेक्टर में बिकवाली देखी गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 677.10 अंक की गिरावट के साथ 81,731.07 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 204.6 अंक की गिरावट के साथ 24,907.75 पर कारोबार कर रहा था, निफ्टी बैंक 387.75 अंक की गिरावट के साथ 55,865.10 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 219.45 अंक की गिरावट के बाद 57,776.05 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 45.25 अंक की गिरावट के बाद 18,148.95 पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों के अनुसार, भले ही ईरान की तीन परमाणु सुविधाओं पर अमेरिकी बमबारी ने संकट को बढ़ा दिया है, लेकिन बाजार पर इसका प्रभाव सीमित रहने की संभावना है। अब अनिश्चित कारक ईरानी प्रतिक्रिया की प्रकृति और उसका समय है। बाजार के जानकारों ने कहा, अगर ईरान अमेरिकी रक्षा सुविधाओं को निशाना बनाता है, उन्हें नुकसान पहुंचाता है या अमेरिकी सैन्य कर्मियों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है, तो अमेरिका की प्रतिक्रिया बहुत बड़ी हो सकती है और इससे संकट और बढ़ सकता है। लेकिन बाजार का आकलन है कि ईरान, अमेरिका और इजरायल के खिलाफ जो कुछ भी कर सकता है उसको लेकर कुछ सीमाएं हैं। इस बीच, सेंसेक्स पैक में इंफोसिस, एचसीएल टेक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, इटरनल, टीसीएस, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, रिलायंस, आईटीसी टॉप लूजर्स रहे। वहीं, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), भारती एयरटेल और ट्रेंट टॉप गेनर्स रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 20 जून को लगातार चौथे दिन अपनी खरीदारी जारी रखी और 7,940.70 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 3,049.88 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं एशियाई बाजारों में बैंकॉक, जापान, सोल, हांगकांग और जकार्ता लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि केवल चीन हरे निशान में कारोबार कर रहा था। अमेरिकी बाजारों में शुक्रवार को आखिरी कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 35.16 अंक की बढ़त के साथ 42,206.82 पर बंद हुआ।

सोने की कीमतों में गिरावट, चांदी में उछाल जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। जबकि चांदी में तेजी का दौर जारी है। पिछले सप्ताह दोनों की कीमतों में बड़ी गिरावट आई थी। एमसीएक्स पर सोने का भाव 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 99,040 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत में 0.32 फीसदी की बढ़त है, ये 1,06,567 रुपए प्रति किग्रा पर है। वैश्विक बाजार में भी सोने की कीमतों मं गिरावट आई है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 600 रुपए टूटकर 99,960 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। पिछले बाजार सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,00,560 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वहीं 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 550 रुपए टूटकर 99,250 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा।

रुपया 17 पैसे टूटकर 86.72 डॉलर पर

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिका के ईरान में परमाणु स्थलों पर हमला करने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के दौरान रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 86.72 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती ने स्थानीय इकाई पर और दबाव डाला। हालांकि, विदेशी पूंजी प्रवाह और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि ने स्थानीय मुद्रा में गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.75 पर खुला और फिर 86.72 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.55 पर बंद

ट्रोल्स को आरजे महविश का करारा जवाब, बोलीं- 2019 से इंडस्ट्री में हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग आज आम हो गई है, लेकिन कुछ सितारे ऐसे भी हैं जो चुप रहने के बजाय तीखे और तथ्यों से भरपूर जवाब देना जानते हैं। ऐसी ही एक मिसाल पेश की है आरजे महविश ने, जिन्हें हाल ही में फिर से ट्रोल किया गया कि क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने उनका करियर बना दिया। लेकिन इस बार महवश ने चुप्पी नहीं साधी बल्कि अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर आलोचकों को करारा जवाब दिया। वीडियो की शुरुआत एक कमेंट के स्क्रीनशॉट से होती है जिसमें लिखा गया है, युजी भाई ने इसका करियर बना दिया। इसके जवाब में महवश कहती हैं, 2019 से इस इंडस्ट्री में हूं, आओ इससे पहले का अपना करियर दिखाती हूं। इसके बाद उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म 'सेक्शन 108' की झलक दिखाकर साफ कर दिया कि उनका करियर किसी के भरोसे नहीं बना। इतना ही नहीं, एक और कमेंट को पढ़ते हुए उन्होंने कहा, जब तू पैदा भी नहीं हुआ था न छोटू, तब से क्रिकेट शोज होस्ट कर रही हूं। 2019 से पिच पर हूं, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के फॉरवर्डेड मैसेज मत पढ़ा करो। इस दौरान उन्होंने एमएस धोनी, क्रिस गेल, मोहम्मद कैफ, शेन वॉटसन और हरभजन सिंह जैसे दिग्गज क्रिकेटरों के साथ अपनी मुलाकातों की झलक भी दिखाई। अपने पोस्ट के कैप्शन में महवश ने लिखा, जब तक खुद के लिए नहीं बोलोगे, कोई तुम्हारे लिए नहीं बोलेगा। उनका यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया और सोशल मीडिया पर फैंस ने उनके आत्मविश्वास और बेबाकी की जमकर तारीफ की। कई लोगों ने कहा कि ट्रोल्स को इसी अंदाज में जवाब देना चाहिए। महवश का यह जवाब न सिर्फ प्रेरणादायक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि महिलाएं आज अपने दम पर मुकाम बना रही हैं

सेशेल्स नेशनल डे टूर्नामेंट में भारत का बेहतरीन प्रदर्शन, इन मुक्केबाजों ने फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजों ने सेशेल्स नेशनल डे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। जिसके तहत भारत के 6 मुक्केबाजों ने इस टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। कजाखस्तान में एलोरडा कप में खेल चुके उत्तर प्रदेश के आदित्य प्रताप (65 किलो) ने तीसरे दौर में स्थानीय मुक्केबाज जोवानी बूजिन को रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने पर हराया। राष्ट्रीय संयुक्त फाइनल्स में रजत पदक विजेता नीरज (75 किलो) ने आरएससी पर दूसरे दौर में जीत दर्ज की। बेलग्रेड मुक्केबाजी चैंपियन रहे और एलीट राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता हरियाणा के हिमांशु शर्मा (50 किलो) ने मॉरीशस के मथियू एस को 4-1 से हराया। उत्तर प्रदेश के आशीष एम ने 55 किलो वर्ग में मॉरीशस के गुइलॉमी फ्रांसिस को 4-1 से मात दी।

राष्ट्रीय संयुक्त चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता हरियाणा के अनमोल (60 किलो) ने सेशेल्स के डारियो गैब्रियेल को 4-1 से हराया। कार्तिक दलाल (70 किलो) को साउथ अफ्रीका के ब्लेसिंग एनजियाना ने 4-1 से शिकस्त दी। एलोरडा कप 2024 के ब्रान्ज मेडल विजेता और राष्ट्रीय खेलों में गोल्ड मेडल जीत चुके गौरव चौहान को 90 प्लस वर्ग में सीधे फाइनल में प्रवेश मिला है।

हॉकी खिलाड़ी ललित कुमा उपाध्याय ने किया संन्यास का ऐलान

पेरिस और टोयो ओलंपिक में जीत चुके हैं मेडल

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया है। हालांकि, वह घरेलू और लीग मैच खेलते रहेंगे। ललित कुमार के संन्यास लेने से एक दशक से ज्यादा समय तक चले उनके करियर का अंत हो गया। अपने करियर में ललित कुमार उपाध्याय ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। इसमें दो ओलंपिक पेरिस और टोक्यो में कांस्य पदक जीतना भी शामिल है। ललित कुमार उपाध्याय ने भारत द्वारा यूरोप में खेले गए 8 में से 4 मैच खेले। ये मुकाबले 2024-25 प्रो लीग सीजन का हिस्सा थे। उन्होंने अपना आखिरी मैच 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। ललित ने सीनियर अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में भारत के लिए 183 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 67 गोल किए हैं। ललित कुमार उपाध्याय उत्तर प्रदेश पुलिस में डिप्टी एसपी भी हैं। ललित ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि, ये यात्रा एक छोटे से गांव से शुरू हुई जहां सीमित संसाधन थे, लेकिन सपने असीम थे। एक स्टिंग ऑपरेशन का सामना करने से लेकर ओलंपिक पोडियम पर खड़े होने तक, एक बार नहीं बल्कि दो बार ये चुनौतियों, विकास और अविस्मरणीय गौरव से भरा रास्ता रहा है। 26 साल बाद अपने शहर से ओलंपियन बनना कुछ ऐसा है जिसे मैं अपने दिल में हमेशा सम्मान और कृतज्ञता के साथ संजोए रखूंगा। साथ ही इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने करियर में भूमिका निभाने वाले कई लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने लिखा कि, मेरे पहले कोच श्री परमानंद मिश्रा को, जिन्होंने मुझे हॉकी से परिचित कराया और मेरी नींव रखी। हरेंद्र सर को, जिन्होंने मुझे एयर इंडिया में चुनकर पहला ब्रेक दिया। समीर भाई और धनराज सर को जिन्होंने उस दौरान देखभाल और विश्वास के साथ मेरा मार्गदर्शन किया। ललित ने आगे लिखा कि, बीपीसीएल को, जिन्होंने मुझे नौकरी की पेशकश की और मुझे काम और विकास के 8 सार्थक साल दिए। मेरे दोस्तों और साथियों को जिन्होंने इस यात्रा को अविस्मरणीय बना दिया। हॉकी इंडिया को जिन्होंने मुझे राष्ट्रीय जर्सी पहनने का मौका दिया। साथ ही राज्य सरकार को मुझे डीएसपी के रूप में नियुक्त करके मेरी यात्रा का सम्मान करने के लिए एक जिम्मेदारी जिसे मैं गर्व के साथ निभाता हूं।

उबली हुई सब्जियां, नारियल पानी शामिल हैं नीरज चोपड़ा की डाइट में

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल प्रेमियों के लिए शुक्रवार का दिन खास रहा, जब ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पेरिस डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर दूर भाला फेंककर मुकाबले में बढ़त बना ली, जो अंत तक कायम रही। उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर 87.88 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। यह जीत नीरज के लिए खास इसलिए भी रही क्योंकि इससे पहले वह दोहा डायमंड लीग और जानुज कुसोसिंस्की मेमोरियल में लगातार दो बार दूसरे स्थान पर रहे थे, जिनमें स्वर्ण पदक वेबर ने जीता था।

नीरज की यह वापसी सिर्फ तकनीकी नहीं, मानसिक रूप से भी प्रेरणादायक रही। टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीतकर वह ऐसा करने वाले पहले एशियाई भाला फेंक एथलीट बने थे। इसके बाद उन्होंने 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर इतिहास रचा और फिर पेरिस ओलंपिक में रजत पदक हासिल किया। लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करते हुए नीरज ने खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है।

खेल में उत्कृष्टता के पीछे सिर्फ अभ्यास नहीं, बल्कि अनुशासित जीवनशैली और सटीक डाइट का भी बड़ा योगदान होता है। नीरज चोपड़ा इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। कभी पूर्ण रूप से शाकाहारी रहे नीरज अब प्रोटीन युक्त और बैलेंस्ड डाइट लेते हैं। उनका दिन नाश्ते में ओट्स, अंडे, फल और नारियल पानी से शुरू होता है। दोपहर को वे दही-चावल, दाल, सब्जियां और ग्रिल्ड चिकन लेते हैं, जबकि ट्रेनिंग के बीच चिया सीड्स, सूखे मेवे और फल उनके ऊर्जा स्रोत होते हैं। रात को उबली सब्जियां, सूप और सलाद लेते हैं और सोने से पहले दूध और खजूर से दिन खत्म करते हैं।

नीरज मानते हैं कि प्राकृतिक और संतुलित आहार ही फिटनेस की कुंजी है। उनका कहना है कि यह डाइट सिर्फ एथलीट्स के लिए नहीं, बल्कि आम लोगों के लिए भी उपयोगी है, जो एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाना चाहते हैं। तले-भुने भोजन से परहेज और पौष्टिक विकल्पों की प्राथमिकता ही उनके निरंतर प्रदर्शन का मूल मंत्र है।

शुभमन गिल को बनना होगा कपिल देव जैसा लीडर - योगराज सिंह

मोहाली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह का मानना है कि टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली सीरीज में आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा, ठीक उसी तरह जैसे कपिल देव ने 1983 के विश्व कप में किया था। भारत अब टेस्ट क्रिकेट के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, क्योंकि हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने टेस्ट प्रारूप से संन्यास ले लिया है। इनके जाने के बाद टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जा रहा है और एक नई लीडरशिप की शुरुआत हो रही है। योगराज सिंह ने कहा कि शुभमन गिल को न केवल अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए बल्कि टीम को भी अपने साथ लेकर चलना होगा। उन्होंने सलाह दी कि गिल को बल्लेबाजी करते समय खुद के लिए ऊंचे लक्ष्य तय करने चाहिए जैसे 100, 200 या यहां तक कि 300 रन और क्रीज पर लंबे समय तक टिके रहना चाहिए। उनके अनुसार, गिल को सिर्फ कप्तानी का बोझ नहीं उठाना, बल्कि प्रेरणा स्रोत बनकर टीम का नेतृत्व करना होगा। भारत इस समय रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी स्पिनर की भी कमी महसूस करेगा, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में गेंदबाजी विभाग में भी युवा खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। योगराज सिंह को भरोसा है कि अगर शुभमन गिल ने सकारात्मक और प्रेरणादायक नेतृत्व दिखाया, तो भारत के पास इंग्लैंड को उसके ही घर में हराकर 2007 के बाद पहली बार कोई विदेशी टेस्ट सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा कि उन्होंने युवराज सिंह से भी गिल और अभिषेक शर्मा को लेकर चर्चा की है और दोनों ही खिलाड़ियों को नेतृत्वकारी भूमिका में बड़ा योगदान देना होगा। योगराज ने भविष्यवाणी की कि भारत यह सीरीज जीतने में सफल रहेगा।

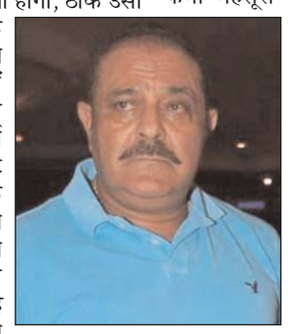

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद

आखिरी मुकाबले को बनाया लक्ष्य

लंदन (एजेंसी)। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही इंग्लैंड टीम को तेज गेंदबाजों की चोट ने परेशान कर रखा है। 20 जून से शुरू हुए पहले टेस्ट में भी इंग्लैंड अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान पर नहीं उतर सका। अब टीम के अनुभवी पेसर मार्क वुड ने अपनी संभावित वापसी को लेकर बड़ी जानकारी दी है। घुटने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे वुड को उम्मीद है कि वह 31 जुलाई से ओवल में खेले जाने वाले सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट तक फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। 35 वर्षीय मार्क वुड को साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान बाएं घुटने में चोट

लगी थी, जिसके बाद मार्च में उनकी सर्जरी कराई गई थी। वुड ने एक मीडिया से बात करते हुए कहा, रिहैब अच्छा चल रहा है। मैंने हल्की गेंदबाजी शुरू कर दी है, इसलिए अब मैं वापसी की राह पर हूं। वुड ने माना कि वह अब भी भारत के खिलाफ इस सीरीज में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं और उनकी नजरें सीरीज के आखिरी टेस्ट पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, मुझे अब भी इस सीरीज में खेलने की उम्मीद है, इसलिए मैं उन खिलाड़ियों पर नजर रख रहा हूं जिनसे मेरा सामना हो सकता है। मेरा ध्यान फिलहाल पांचवें टेस्ट पर है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ओवल टेस्ट में खेलना तय नहीं है और अंतिम फैसला उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। हो सकता है कि मैं आखिरी टेस्ट में भी नहीं खेल पाऊं, लेकिन मेरा पूरा ध्यान इस पर है कि मैं उस मैच में टीम के लिए योगदान दे सकूं, वुड ने कहा। इंग्लैंड के लिए वुड की वापसी अहम साबित हो सकती है, खासकर तब जब जोफा आर्चर, ओली स्टोन और मैथ्यू पॉट्स जैसे अन्य गेंदबाज भी चोटों से जूझ रहे हैं। ऐसे में वुड की फिटनेस टीम की गेंदबाजी लाइन-अप को मजबूती दे सकती है।

केएल राहुल ने पंत के आगे जोड़े हाथ

भारत पहले दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट के नुकसान पर 359 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन टीम इंडिया ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। भारत ने दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट के नुकसान पर 359 रन बना लिए। इस शानदार स्कोर में यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के शतक अहम रहे, वहीं ऋषभ पंत ने नाबाद 65 रन की पारी खेलते हुए अपने अंदाज में खेल का समापन किया।

पंत ने दिन के आखिरी ओवर की पहली गेंद पर ही क्रिस वोक्स की गेंद पर आगे बढ़कर छक्का जड़ दिया, जिससे सभी चौंक गए। आमतौर पर बल्लेबाज दिन के अंतिम ओवर में सतर्कता बरतते हैं, लेकिन पंत का आत्मविश्वास और आक्रामकता देखने लायक थी। उनका यह शॉट इंग्लिश खिलाड़ियों को हैरान कर गया। जब शुभमन गिल और ऋषभ पंत दिन का खेल समाप्त कर ड्रेसिंग रूम की ओर लौटे, तो टीम के अन्य खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने खड़े होकर उनका स्वागत तालियों से किया। खास बात यह रही कि सीढ़ियों के पास खड़े केएल राहुल ने पंत के आगे हाथ जोड़ दिए, जैसे उनके जज्बे को सलाम कर रहे हों। यह पल दर्शाता है कि पंत का अंदाज टीम के भीतर भी कितना सम्मान पाता है। मैच की शुरुआत भी भारत के लिए सकारात्मक रही। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने मिलकर पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़े। राहुल 42 रन बनाकर ब्रायडन कार्से की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद डेब्यू कर रहे साई सुदर्शन बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। यशस्वी जायसवाल ने एक और शतक जड़ते हुए 101 रनों की शानदार पारी खेली, जिसे स्टोक्स ने खत्म किया। इसके बाद शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने मोर्चा संभाला और इंग्लैंड को कोई और सफलता नहीं दी। गिल 127 रन बनाकर नाबाद हैं और पंत उनके साथ 65 रन पर टिके हुए हैं।

दोनों के बीच अब तक 138 रनों की अटूट साझेदारी हो चुकी है। दूसरे दिन की शुरुआत में यह जोड़ी भारत को और भी मजबूत स्थिति में पहुंचाने का प्रयास करेगी।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में अनियमितताओं के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने आंसू गैस और जल तोप का किया प्रयोग

विश्वविद्यालय में मनमानी अंक और फेल करने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने आंसू गैस और जल तोप का प्रयोग किया। सोमवार दोपहर कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन की ओर बढ़े थे, लेकिन पुलिस ने यातायात रोककर बैरिकेडिंग की और उन्हें रोकने का प्रयास किया।

जब कार्यकर्ता बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश करने लगे, तो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आंसू गैस और जल तोप का इस्तेमाल किया गया। इस दौरान किसी कार्यकर्ता को चोट नहीं आई।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा, "छात्रों की आवाज दबाने के लिए प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग हो रहा है। सत्ता का गलत इस्तेमाल कर छात्रों को अपनी बात रखने से रोका जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।"

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने बताया कि कार्यकर्ता प्रशासनिक भवन में उपद्रव के इरादे से जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश पर आंसू गैस और जल तोप का प्रयोग हुआ। कार्यकर्ताओं को शांतिपूर्ण तरीके से मांगें रखने और विश्वविद्यालय प्रबंधन से बात करने का आश्वासन दिया गया।

एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में प्रत्येक सेमेस्टर और परीक्षा में परिणामों में भारी लापरवाही बरती जा रही है। कई बार छात्रों को शून्य अंक दिए जाते हैं या मनमाने ढंग से फेल कर दिया जाता है। पास करने के नाम पर धन की मांग की जाती है। यह समस्या वर्षों से चली आ रही है, लेकिन इसका समाधान नहीं हुआ।

बीच बाजार महिला के बाल खींचे, थाने में थप्पड़ मारे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश में पुलिस के महिलाओं से बर्ताव की दो शर्मनाक मामले सामने आए हैं। सतना में एक बुजुर्ग महिला को कॉन्स्टेबल ने थाने के अंदर थप्पड़ मारे। वह चोरी की शिकायत पर कार्रवाई की जानकारी लेने पहुंची थी। आरोपी ने महिला के खिलाफ ही झूठा केस दर्ज करा दिया।

इधर, पन्ना में एक एएसआई ने आदिवासी महिला को बीच बाजार बाल पकड़कर खींचा। महिला के पति ने वाहन चेकिंग के दौरान एएसआई से बहस की थी। इसके बाद आरोपी ने महिला से अभद्रता की। दोनों ही मामलों के वीडियो सामने आए हैं। सतना और पन्ना एसपी ने संज्ञान लेते हुए दोनों ही पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। सतना में कॉन्स्टेबल ने एक बुजुर्ग महिला को थाने के अंदर थप्पड़ मारे। उसने बुजुर्ग से अभद्रता भी की। महिला घर में हुई चोरी की शिकायत दर्ज कराने के लिए चक्कर लगा रही थीं। एक बार फिर वह जानकारी लेने पहुंची थी।

घटना रविवार को कोलगवां थाने की है। सोमवार को इसका वीडियो सामने आया। इधर, इस मामले को एसपी आशुतोष गुप्ता ने संज्ञान में लेते हुए कॉन्स्टेबल शशिकांत शुक्ला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर पूरे मामले की जांच शुरू करा दी है।

टिकुरिया टोला की रहने वाली कलावती (65) पीड़ित महिला 20 मई को बांदा गई थी। इसी दौरान सूने घर पर चोरी हो गई। 25 मई को बांदा से वापस आने पर चोरी का पता चला। पीड़िता ने बताया कि एक पेटी, वाशिंग मशीन और बर्तन चोरी गए हैं।

25 मई को ही कोलगवां थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। उसके बाद एक हफ्ते तक कुछ पता नहीं चलने पर पीड़िता मामले की जानकारी के लिए आए दिन थाने आने लगी। लेकिन उसे थाने से कोई जवाब नहीं मिलता था।

रविवार दोपहर को कलावती जब एक बार फिर थाने में अपनी शिकायत की जानकारी लेने पहुंचीं, तो वहां मौजूद आरक्षक शशिकांत शुक्ला ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। थाने में हुई इस घटना के बाद महिला पर ही भारतीय न्याय संहिता की धारा 170 के तहत केस दर्ज कर लिया। उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जमानत मिल गई।

सतना में गैस सिलेंडर ब्लास्ट, रात में हुआ धमाका, सो रहा था परिवार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में रविवार रात करीब साढ़े 11 बजे एक घर में गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। ग्राम पंचायत पालदेव के पौसलाहा गांव में गैबी प्रसाद पटेल के घर में ये हादसा हुआ।

घटना के समय परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे। सिलेंडर ब्लास्ट की आवाज सुनकर जब वे किचन में पहुंचे तो वहां का सारा सामान बिखरा हुआ था। धमाके की वजह से किचन से सटे कमरे की खिड़की, दरवाजे, पंखा, बिजली बोर्ड और अलमारी को भी नुकसान पहुंचा।

गैबी प्रसाद ने बताया कि रात 9 बजे परिवार के सभी सदस्यों ने खाना खाकर आराम किया था। राहत की बात ये रही कि ब्लास्ट के बाद आग नहीं लगी और किसी की जान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। सोमवार सुबह घटना की जानकारी चित्रकूट थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

यूट्यूबर पर सैनिकों के अपमान का आरोप, वीडियो पर कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक स्थानीय यूट्यूबर द्वारा सैनिक परिवारों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले आपत्तिजनक वीडियो के खिलाफ पूर्व सैनिक संगठन ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने यूट्यूबर के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की। पुलिस अधीक्षक ने पूर्व सैनिकों को आश्वस्त किया कि दो वी के अंतर्गत वीडियो की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सैनिक संगठन के यज्ञ प्रताप सिंह ने बताया कि यूट्यूबर ने मनोरंजन के नाम पर सैनिक परिवारों का अपमान किया। वीडियो हटाने की गुजारिश के बावजूद, यूट्यूबर ने संगठन के पदाधिकारियों से अभद्र भाषा में बात की, जिसके बाद शिकायत दर्ज की गई।

वीडियो में दिखाया गया कि एक सैनिक छुट्टी पर घर पहुंचता है, जहां उसकी पत्नी किसी और के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिलती है। सैनिक का किरदार निभाने वाला व्यक्ति सेना की वर्दी में है, जिसे संगठन वर्दी और सेना के सम्मान का अपमान मानता है।

रीवा में एबीवीपी का जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय घेराव

स्कूलों पर धन लेकर प्रवेश देने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) रीवा नगर इकाई ने जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय का घेराव कर प्रवेश प्रक्रिया में अनियमितताओं और छात्रों को हो रही समस्याओं के विरोध में ज्ञापन सौंपा।

एबीवीपी ने आरोप लगाया कि कुछ विद्यालय मनमानी शुल्क वसूल रहे हैं और पात्र छात्रों को प्रवेश से वंचित कर रहे हैं। कई स्कूलों में आरक्षित वर्ग के छात्रों को नियमों के अनुसार प्रवेश नहीं मिल रहा, जिससे अभिभावकों और छात्रों में भारी असंतोष है।

नगर मंत्री हर्ष साहू ने कहा, "शिक्षा प्रत्येक छात्र का मूलभूत अधिकार है। यदि विद्यालय मनमानी करते रहे, तो एबीवीपी आंदोलन के लिए बाध्य होगी और इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।" उन्होंने बताया कि कुछ विद्यालय बिना नियम या पारदर्शिता के धन लेकर प्रवेश दे रहे हैं, जो अनुचित और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है।

हर्ष साहू ने जोर देकर कहा कि शिक्षा का व्यवसायीकरण नहीं होना चाहिए। सरकारी या सहायता प्राप्त विद्यालयों में पारदर्शी प्रक्रिया से ही प्रवेश होना चाहिए। वर्तमान में कई स्कूल प्रबंधन धन लेकर छात्रों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्र पीछे छूट रहे हैं।

जिला संयोजक पी. एन. पांडे ने बताया कि कई विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हुई, जिससे पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने विभाग से रिक्त पदों को शीघ्र भरने और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की मांग की।

जिला शिक्षा अधिकारी सुदामा गुप्ता ने ज्ञापन स्वीकार कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया और संबंधित विद्यालयों से स्पष्टीकरण मांगने की बात कही।

सतना में 310 ग्राम अवैध गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में पुलिस ने रविवार को एक अवैध गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। धारकुंडी थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि करौंदी मोड़ के पास एक व्यक्ति काली पॉलिथीन में गांजा लेकर ग्राहक का इंतजार कर रहा है। टीआई धारकुंडी उप निरीक्षक शैलेन्द्र पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। टीम ने संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम लालमन सिंह लोध(25) बताया। वो प्रतापपुर, थाना धारकुंडी का रहने वाला है। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 310 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा एक सफेद प्लास्टिक बोरी में वन्य जीवों की 4 सींग भी मिलीं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20(बी) और वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की धारा 9, 39, 44 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को सोमवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

रीजनल इंडस्ट्री स्किल एण्ड इम्प्लायमेंट कॉन्क्लेव 27 को

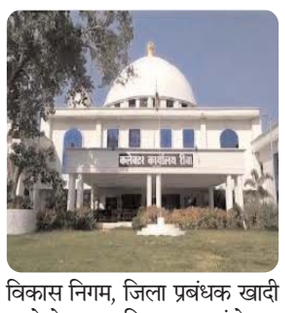

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा 27 जून को मोहन सभागार में रीजनल इंडस्ट्री स्किल एण्ड इम्प्लायमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे आरंभ होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का रतलाम से वर्चुअली उद्बोधन होगा। प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवड़े ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभिन्न अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। कार्यक्रम के लिए संपूर्ण व्यवस्थाएं तथा उद्यमियों की भागीदारी के लिए कार्यकारी संचालक एमपीआईडीसी यूके तिवारी को प्रभारी बनाया गया है। अग्रणी बैंक प्रबंधक को बैंको से स्वरोजगार योजनाओं के ऋण प्रकरण स्वीकृत कराकर कार्यक्रम में वितरण के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रबंधक ग्रामीण आजीविका परियोजना को स्वसहायता समूहों की कार्यक्रम में भागीदारी एवं पाँच हितग्राहियों को हितलाभ वितरण की जिम्मेदारी दी गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अन्त्यावसायी सहकारी विकास निगम, जिला प्रबंधक खादी ग्रामोद्योग, जिला संयोजक आदिमजाति कल्याण विभाग, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग, उप संचालक पशुपालन, सहायक संचालक उद्यानिकी, उप संचालक मछली पालन तथा महाप्रबंधक उद्योग को उनके विभाग की स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को कार्यक्रम में हितलाभ वितरण की जिम्मेदारी दी गई है। प्राचार्य आईटीआई पीएम विश्वकर्मा योजना के हितग्राहियों तथा परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण को पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों के हितलाभ वितरण के निर्देश दिए गए हैं।

पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन एक अगस्त को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश पर्यटन संपदाओं से भरा-पूरा प्रदेश है। प्रदेश के ऐतिहासिक तथा धार्मिक स्थलों एवं प्राकृतिक स्थलों की जानकारी आमजनों तक पहुंचाने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में जिले में एक अगस्त को पर्यटन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर एव सचिव डीएटीसीसी ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रदेश के समृद्धिशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरूषों, पर्यटन महत्व की संभावनाओं से छात्रों को अवगत कराना है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम, विद्यालयों का पंजीयन 25 जून से 18 जुलाई तक किया जा सकता है। पंजीयन की सुविधा पर्यटन विकास निगम की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट टूरिज्म डॉट एमपी डॉट जीओभी डॉट इन पर आनलाइन उपलब्ध है। प्रतियोगिता में जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय स्कूल के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 32 और सहायिका के 390 पदों के लिए आवेदन 7 जुलाई तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग की शहरी और ग्रामीण परियोजनाओं में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 32 पदों तथा आंगनवाड़ी सहायिका के 390 रिक्त पदों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन पदों के लिए पात्र महिला उम्मीदवार सात जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। आवेदन एमपी ऑनलाइन के पोर्टल चयन डॉट एमपी ऑनलाइन डॉट जीओभी डॉट इन में किया जा सकता है। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह ने बताया कि रिक्त पदों की जानकारी संबंधित परियोजना कार्यालय, एसडीएम कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालय, नगरीय निकायों के कार्यालय तथा ग्राम पंचायतों में प्रदर्शित कर दी गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि आवेदिका का ग्रामीण क्षेत्र में उसी राजस्व ग्राम तथा शहरी क्षेत्र में उसी वार्ड का निवासी होना चाहिए जहाँ के लिए आवेदन किया गया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के लिए अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता कक्षा 12वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। इसकी आयु सीमा एक जनवरी 2025 की स्थिति में 18 से 35 वर्ष होना आवश्यक है। आवेदन पत्र केवल ऑनलाइन दर्ज हो रहे हैं। आफलाइन दर्ज आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदिका फार्म भरते समय अपने समस्त प्रमाण पत्र पीडीएफ फार्मेट में ऑनलाइन अपलोड कराएं। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए परियोजना गंगेव एक में तीन, जवा में चार, त्योंथर में दो, परियोजना रायपुर कर्चुलियान दो में पाँच, परियोजना रायपुर कर्चुलियान में पाँच, रीवा ग्रामीण परियोजना में सात, रीवा शहरी परियोजना में एक, रीवा परियोजना दो में दो, परियोजना सिरमौर एक में दो तथा परियोजना सिरमौर दो में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का एक पद रिक्त हैं। आंगनवाड़ी सहायिका के लिए परियोजना गंगेव क्रमांक एक में 29, गंगेव दो में 24, जवा में 76, त्योंथर में 56, परियोजना रायपुर कर्चुलियान दो में 23, परियोजना रायपुर कर्चुलियान में 53, रीवा ग्रामीण परियोजना में 33, रीवा शहरी परियोजना में 9, रीवा परियोजना दो में 20, परियोजना सिरमौर एक में 28 तथा परियोजना सिरमौर दो में 39 आंगनवाड़ी सहायिका के पद रिक्त हैं।

वन्य जीवों के चार सींग की बरामद, एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में पुलिस ने रविवार को एक अवैध गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। धारकुंडी थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि करौंदी मोड़ के पास एक व्यक्ति काली पॉलिथीन में गांजा लेकर ग्राहक का इंतजार कर रहा है। टीआई धारकुंडी उप निरीक्षक शैलेन्द्र पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। टीम ने संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम लालमन सिंह लोध(25) बताया। वो प्रतापपुर, थाना धारकुंडी का रहने वाला है। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 310 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा एक सफेद प्लास्टिक बोरी में वन्य जीवों की 4 सींग भी मिलीं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20(बी) और वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की धारा 9, 39, 44 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को सोमवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।